घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 20- गुरूवार 20- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

नीतीश आज 10वीं बार लेंगे बिहार के सीएम की शपथ

गांधी मैदान में समारोह...पीएम मोदी समेत 11 राज्यों के सीएम शामिल होंगे...

पटना,19 नवम्बर 2025। नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। आज वे 10वीं बार सीएम पद की शपथ लेंगे। शपथ समारोह सुबह 11.30 बजे गांधी मैदान में होगा। समारोह के लिए 2 मंच बनाए गए हैं। इसमें पीएम मोदी समेत 11 राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। साथ ही 150 मेहमानों को भी निमंत्रण भेजा गया। इससे पहले बिहार विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। वहीं,सुबह 11 बजे पटना के बीजेपी ऑफिस में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना गया है। विजय सिन्हा को विधानमंडल का उपनेता चुना गया है। मतलब सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा दोनों डिप्टी सीएम होंगे। जानकारी के मुताबिक, नीतीश के साथ-साथ सम्राट और विजय सिन्हा भी डिप्टी सीएम की शपथ ले सकते हैं। इधर, बीजेपी के विधायक दल की बैठक से पहले छ्ष्ठ के विधायक दल की बैठक हुई जिसमें नीतीश कुमार को नेता चुना गया। विधायक दल के नेता के चुनाव से पहले केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी गई थी।

नीतीश बोले...बिहार का और ज्यादा विकास करेंगे...

एनडीए विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार ने कहा...पहले से हमारा राज्य काफी आगे बढ़ा है और भी खूब आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री भी घूम घूम कर काम करते हैं। उनका सहयोग भी मिल रहा है। बिहार का और ज्यादा विकास होगा। हमलोग को और ज्यादा मजबूती से काम करना होगा।

चिराग ने 2 मंत्री की डिमांड रखी...

नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद वे बीजेपी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में मंत्रियों की लिस्ट फाइनल होगी। इधर,सूत्रों के अनुसार चिराग पासवान ने एनडीए में 2 मंत्री पद की डिमांड रखी है। चिराग अपने बहनोई अरुण भारती का नाम बढ़ा सकते हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में LJP(R) ने 19 सीटें जीती हैं।

जदयू विधायक कोमल सिंह बोलीं...जनता से किए वादों पर खरी उतरूंगी...

मुजफ्फरपुर के गायघाट से विधायक कोमल सिंह ने कहा,ये न्याय नीति और नीतीश का बिहार है। हमने पहले ही कहा था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। जनता ने मुझपर भरोसा जताया है, उसपर खरी उतरूंगी। पूरे बिहार में गायघाट का नाम होगा। वहां की जनता के लिए विकास का काम करूंगी।

मुख्यमंत्री ही तय करेंगे कैबिनेट भी...

वहीं बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सरकार गठन की प्रक्रिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट का गठन मुख्यमंत्री तय करेंगे। हम पहले राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। इसके बाद ही बाकी बातें स्पष्ट होंगी। जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बैठक के बाद कहा कि शपथ ग्रहण समारोह कल होगा। एनडीए नेता का चयन हो चुका है। सभी एनडीए सहयोगियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना है।

नीतीश कुमार ने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का किया दावा पेश

बिहार में नीतीश कुमार ने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। इससे पहले विधानसभा के केंद्रीय कक्ष में हुई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की अहम बैठक में नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल का नेता चुना गया। राजग की बैठक में भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार को नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसे विजय कुमार सिन्हा ने समर्थन दिया। इसके बाद विजेन्द्र यादव, राजू तिवारी, संजय पासवान, प्रफुल्ल मांझी, स्नेहलता ने भी इसका समर्थन किया। मौके पर सम्राट चौधरी ने कहा कि आज हम लोगों ने राजग विधानमंडल दल के नेता का चयन किया। राजग को मिली प्रचण्ड जीत के लिए बिहार की जनता को धन्यवाद देता हूं। राजग के सभी घटक दलों के नेताओं को भी धन्यवाद दिया। उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि राजग गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के लिए बिहार की महिला मतदाताओं को आभार व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काम का इस जीत में बड़ा योगदान रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश के काम को देख कर जनता ने राजग को आशीर्वाद दिया। विजय चौधरी ने कहा कि महिलाओं ने मतदान में रिकॉर्ड कायम किया है। महिलाएं और युवा वर्ग राजग के प्रति उत्साहित हैं। इससे पहले नीतीश कुमार सेंट्रल हॉल पहुंचे तब हाथ जोड़कर वहां मौजूद लोगों का उन्होंने अभिवादन किया। इस बैठक में राजग के तमाम नवनिर्वाचित विधायक शामिल हुए और नीतीश कुमार को राजग का नेता चुना, जिसके बाद नीतीश कुमार विधानसभा के सेंट्रल हॉल से राजभवन के लिए रवाना हो गए। राजभवन में नीतीश कुमार के साथ राजग के सभी सहयोगी दलों के शीर्ष नेता मौजूद थे। जदयू अध्यक्ष,भाजपा विधायक दल के नेता,हम और रालोमा दल के प्रतिनिधि,सभी एक साथ पूरे राजनीतिक गठजोड़ की मजबूती का संदेश दे रहे थे। राजग विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजभवन पहुंच कर राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। मौजूदा मुख्यमंत्री होने के नाते नीतीश कुमार ने पहले पद से इस्तीफा दिया और नई सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत किया।

मोदी ने किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की

9 करोड़ किसानों के खाते में 18000 करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर,नेचुरल फार्मिंग पर जोर दिया

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2025। पीएम मोदी ने बुधवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी की। उन्होंने तमिलनाडु के कोयंबटूर से देशभर के करीब 9 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में 18000 करोड़ रुपए से ज्यादा ट्रांसफर किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस योजना से देश के छोटे किसानों के खाते में अब तक 4 लाख करोड़ रुपए भेजे जा चुके हैं। किसानों को 10 लाख करोड़ रुपए की मदद भी दी गई है। उन्होंने नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने की बात कही। मोदी ने कहा कि नेचुरल फार्मिंग से हमारा एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट 2 गुना हुआ है। मोदी ने

कहा कि जब मैं मंच पर आया तो काफी किसान गमछा घुमा रहे थे, मुझे लगा बिहार की हवा यहां मेरे आने से पहले पहुंच गई है। किसान सम्मान निधि योजना के तहत छोटे किसानों को एक साल में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें (कुल 6000 रुपए) दी जाती हैं। यह राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है। मोदी ने कहा कि कोयंबटूर का टेक्सटाइल सेक्टर देश की इकोनॉमी में बहुत बड़ा कॉन्ट्रिब्यूटर है। नेचुरल फार्मिंग मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं तमिलनाडु के सभी किसानों को शुभकामनाएं देता हूं। कोई मैकेनिकल इंजीनियरिंग और पीएचडी करके खेती कर रहा है। कोई नासा में काम करते हुए खेती कर रहा है और अन्य किसानों को ट्रेंड कर रहे हैं।

श्री सत्य साईं बाबा की शताब्दी सार्वभौमिक प्रेम शांति और सेवा का उत्सव : प्रधानमंत्री मोदी

पुट्टापर्थी (आंध्र प्रदेश),19 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि श्री सत्य साईं बाबा का शताब्दी वर्ष केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि सार्वभौमिक प्रेम, शांति और सेवा की भावना का एक विराट उत्सव है। उन्होंने कहा कि श्री सत्य साईं बाबा ने अपने जीवन और कार्यों से 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारतीय विचार को वैश्विक रूप दिया और आज भी उनकी शिक्षाएं करोड़ों लोगों की प्रेरणा बनी हुई हैं। प्रधानमंत्री मोदी यहां श्री सत्य साई बाबा के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने बाबा को समर्पित 100 रुपये का

स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट भी जारी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा का जीवन मानवता के लिए एक संदेश था, जिसमें सेवा,प्रेम और करुणा सर्वोच्च स्थान पर थे। पुट्टापर्थी की यह पावन भूमि हमेशा से आध्यात्मिक चेतना का केंद्र रही है और यहां होना उनके लिए एक भावनात्मक अनुभव है। मोदी ने बताया कि समारोह में शामिल होने से पहले उन्हें श्री सत्य साईं बाबा की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता की जड़ें सेवा से जुड़ी हुई हैं और यह भावना हमारे धर्म, दर्शन और परंपराओं में रची-बसी हैं। चाहे भक्ति का मार्ग हो, ज्ञान का मार्ग हो या कर्म का- हर मार्ग सेवा के मार्ग पर ही ले जाता है। इसी परंपरा को श्री सत्य साईं बाबा ने अपने संपूर्ण जीवन में जिया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'बाबा का संदेश केवल आश्रमों या प्रवचनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज के हर हिस्से में दिखाई देता है- शहरी इलाकों से लेकर आदिवासी बस्तियों तक,शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक।' मोदी ने बताया कि बाबा के अनुयायी मानव सेवा को ही ईश्वर की सेवा मानते हैं और यही भावना आज भी लाखों लोगों को निःस्वार्थ भाव से समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने बाबा के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा, 'मदद हमेशा करो, कभी चोट मत पहुंचाओ। ज्यादा बातें नहीं,ज्यादा काम करो।' प्रधानमंत्री ने कहा कि यही शिक्षा आज के समय में समाज को एकजुट करने की सबसे बड़ी शक्ति है।

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई अमेरिका से भारत लाया गया,एनआईए ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी सहयोगी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित कराया। दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एनआईए ने बताया कि अनमोल बिश्नोई साल 2022 से फरार था और एनआईए द्वारा

जांचे जा रहे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े गैंगस्टर नेटवर्क का 19वां आरोपित है जिसे गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने मार्च 2023 में दायर अपनी चार्जशीट में बताया था कि अनमोल ने साल 2020 से 2023 के बीच अपने भाई लॉरेंस बिश्नोई और नामित आतंकी गोल्डी बराड़ की विभिन्न आतंकी गतिविधियों में सक्रिय मदद की थी। जांच में सामने आया है कि अनमोल बिश्नोई अमेरिका में रहते हुए भी बिश्नोई गैंग के सहयोगियों के साथ मिलकर गिरोह के आतंक नेटवर्क को संचालित करता रहा और भारत में आतंकी गतिविधियां करवाता रहा। उसने गैंग के शूटरों व ज़मीनी गुर्गों को पनाह दी और लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया था। वह विदेश में बैठकर अन्य गैंगस्टरों की मदद से भारत में रंगदारी वसूली में भी शामिल था। एनआईए अभी इस मामले (आरसी 39/2022/एनआईए/डीएलआई) की जांच कर रही है, जिसमें एजेंसी का उद्देश्य आतंकियों, गैंगस्टरों और हथियार तस्करों के गठजोड़ को खत्म करना और उनके नेटवर्क व फंडिंग चैनलों को ध्वस्त करना है।

बेंगलुरु में दिनदहाड़े 7.11 करोड़ रुपये की लूट,एटीएम कैश वैन को बनाया निशाना

बेंगलुरु,19 नवम्बर 2025। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में बुधवार को एक बड़ी आपराधिक वारदात सामने आई, जहां जयदेव डेयरी सर्किल फ्लाईओवर पर अज्ञात लुटेरों ने एक एटीएम कैश वैन को रोककर 7 करोड़ 11 लाख रुपये लूट लिए। लुटेरों ने खुद को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अधिकारी बताकर वारदात को अंजाम दिया। घटना तब

हुई जब GJ 01 HT 9173 नंबर की कैश वैन साउथ एंड सर्कल से एक एटीएम में पैसे डालने जा रही थी। रास्ते में एक इनोवा कार में आए 6-7 लोगों ने वैन को रोक लिया, स्टाफ को नीचे उतारकर धमकाया और ड्राइवर को गाड़ी समेत डेयरी सर्किल तक ले गए। वहां फ्लाईओवर पर कैश वैन से पैसे इनोवा में डालकर आरोपी फरार हो गए। घटना के समय वैन में कुल चार सीएमएस कर्मचारी, ड्राइवर, दो बंदूकधारी सुरक्षा कर्मी और एक नकदी जमा करने वाला व्यक्ति मौजूद था। फिलहाल सभी से सिद्धपुर पुलिस स्टेशन में पूछताछ चल रही है। प्रारंभिक जांच में कैश वैन चालक और अन्य कर्मचारियों पर संदेह जताया जा रहा है। पुलिस उनकी पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। साथ ही सिद्धपुर और अदुगोडी पुलिस मौके पर जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ऑपरेशन न्यू ईयर : स्पेशल सेल ने पकड़ी 100 करोड़ की ड्रग्स,चार तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2025। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नए साल से पहले बड़ी कार्रवाई की। 'ऑपरेशन न्यू ईयर' के तहत चलाए गए अभियान में पुलिस ने करीब 105 करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद की। यह ड्रग्स (मेथाम्फेटामाइन्स) रेव पार्टियों और बड़े सेलिब्रेशन में इस्तेमाल होती है। पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन आरोपियों को दिल्ली से और एक आरोपी को बेंगलुरु से पकड़ा गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन लोगों ने दिल्ली में ही एक मोबाइल ड्रग्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट (फैक्ट्री) बना रखी थी। यह फैक्ट्री एक चलते-फिरते ट्रक में छिपाई गई

थी, जिसका पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया। स्पेशल सेल के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि यह खेप नए साल की पार्टियों में सप्लाई की जानी थी। मेथाम्फेटामाइन्स की यह बड़ी मात्रा विदेश से मंगवाई गई थी और इसका नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ है। पुलिस अभी इनके विदेशी कनेक्शन की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पकड़ी गई ड्रग्स की बाजार कीमत 105 करोड़ रुपए से ज्यादा है। आरोपी लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर में ड्रग्स का कारोबार कर रहे थे और युवाओं को निशाना बना रहे थे। ट्रक में बनी यह मोबाइल लैब इतनी खतरनाक थी कि इसे कहीं भी खड़ा करके कुछ ही घंटों में ड्रग्स तैयार की जा सकती थी। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने स्पेशल सेल की टीम को इस सफलता के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ दिल्ली पुलिस का अभियान और तेज होगा, ताकि राजधानी को ड्रग्स मुक्त बनाया जा सके। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से नए साल की कई बड़ी रेव पार्टियों में ड्रग्स की सप्लाई पर पूरी तरह रोक लग गई है। फिलहाल, चारों आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं और इनसे पूछताछ जारी है।

कोलकाता एयरपोर्ट देश में सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाला बना

कोलकाता,19 नवम्बर 2025। यूरोप और अमेरिका के लिए कोई सीधी हवाई सेवा उपलब्ध न होने के बावजूद कोलकाता का नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (एनएससीबीआई) वित्त वर्ष 2024-25 में देश के सभी 137 भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) संचालित हवाईअड्डों में सबसे अधिक लाभ कमाने वाला बना है। आधिकारी के अनुसार हवाईअड्डे ने इस वर्ष लगभग 670 करोड़ का रिकॉर्ड लाभ दर्ज किया है, जो चेन्नई हवाई अड्डे की तुलना में ढाई गुना अधिक है। राजस्व में मामूली गिरावट के बावजूद यह उपलब्धि प्राप्त हुई। वर्ष 2023-24 में 1578.6 करोड़ की तुलना में 2024-25 में हवाईअड्डे की

आय तीन प्रतिशत घटकर 1527.51 करोड़ रही। इसके बावजूद संचालन-व्यवस्था सुदृढ़ रहने और यात्रियों की संख्या बढ़ने से लाभ में खासा उछाल आया। कुल आय का 77 प्रतिशत हिस्सा हवाई सेवाओं से जुड़े शुल्कों से प्राप्त हुआ क्योंकि हवाईअड्डे ने वर्ष के दौरान लगभग 1.5 लाख उड़ानों और 2.2 करोड़ यात्रियों को संभाला। उड़ान-प्रति औसत यात्री संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2024-25 में प्रति उड़ान औसत 152 यात्री यात्रा कर रहे थे, जो 2023-24 के 146 और कोविड-पूर्व 2019 के 143 यात्रियों से अधिक है।

संपादकीय

टॉप कमांडर माडवी हिडमा का खात्मा

नक्सलवाद पर अब तक का सबसे बड़ा प्रहार

शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिडमा का खात्मा हाल में नक्सलवाद के खिलाफ मिली बहुत बड़ी सफलताओं में से एक है। उसके एनकाउंटर से सुरक्षाबलों की लगभग दो दशक पुरानी तलाश ही खत्म नहीं हुई, नक्सलियों के पहले से ही कमजोर पड़े शीर्ष नेतृत्व पर तगड़ी चोट पहुंची है। इससे देश अगले साल 31 मार्च तक नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त होने के लक्ष्य के और करीब पहुंच गया है। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिड़मा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। वह उस पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन का कमांडर था,जिसे सबसे खूंखार माना जाता है।

हिडमा से पहले इस साल मई में सुरक्षाबलों ने सीपीआइ (माओवादी) के जनरल सेक्रेटरी नरसिम्हा उर्फ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था। इसके अलावा इस साल विभिन्न मुठभेड़ में 300 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके है, जिनमें पोलित ब्यूरो के कई सदस्य भी है। चारों तरफ से पड़ रहे दबाव के बीच नक्सलवाद अब एक छोटे-से इलाके में सिमट कर रह गया है। हिडमा को छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश की सीमा पर मारा गया। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ से खदेड़े जाने के बाद वह आंध्र से आंदोलन को जारी रखना चाहता था। यह चौकन्ना होने वाली बात है। बस्तर और अबूझमाड़ के अपने गढ़ से बेदखल नक्सलियों को कहीं और पैर जमाने का मौका नहीं मिलना चाहिए। जो प्रेशर बना है, वह बना रहे तो यह समस्या जल्द ही खत्म हो जाएगी । सरकार ने नक्सलियों के सामने सरेंडर का रास्ता खुला रखा है। मंगलवार को भी कई नक्सलियों ने हथियार डाले। ये अच्छे संकेत है। जब नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ेंगे,तो जमीनी स्तर पर बदलाव भी आएगा। नक्सली खात्मे के साथ इन इलाकों को विकास भी चाहिए। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

क्या भारत को चाहिए एक व्यापक 'प्रदूषण कर'?

पर्यावरणीय आपातकाल और सीमित राजस्व–क्या आर्थिक दंड ही हरित भविष्य का मार्ग बना सकता है? भारत विश्व के उन देशों में है जहाँ वायु, जल और मिट्टी का प्रदूषण तीव्र स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी सबसे प्रदूषित नगरों की सूची में भारत के अनेक नगर शामिल हैं। जल-प्रदूषण से प्रतिवर्ष लाखों लोग रोगग्रस्त होते हैं। दूसरी ओर,स्वच्छ ऊर्जा,हरित अवसंरचना और प्रदूषण नियंत्रण हेतु सरकार के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं। ऐसे समय में प्रदूषण कर–अर्थात् प्रदूषण फैलाने पर आर्थिक दंड–को एक समुचित समाधान के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इससे प्रदूषण में कमी और पर्यावरण-रक्षा के लिए स्थायी राजस्व दोनों प्राप्त हो सकते हैं...

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी हरियाणा

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिनङ्कप्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है,ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं,वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि,स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने–अर्थात् विस्तृत प्रदूषण कर लागू करने–की आवश्यकता है? प्रदूषण कर का विचार नया नहीं, परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाज़ार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे बाह्य लागत कहा जाता है–अर्थात् नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में प्रदूषण कर इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए। भारत में कोयले पर लगाया गया

स्वच्छ ऊर्जा उपकर इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि,ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो।

प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक,पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई,स्वच्छ परिवहन व्यवस्था,नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण,ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है,जिसे एक स्वतंत्र हरित निधि के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाज़ारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं,बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

परंतु इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी,तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए।

उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा–पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान,ब्याज रहित ऋ्रण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं।

भारत की प्रशासनिक क्षमता भी एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन,डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो,तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक,कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी,डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र हरित कोष का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण,स्वच्छ ऊर्जा,हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।

राजनीतिक दृष्टि से यह एक साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की मांग कर रही है। इस मांग को नज़रअंदाज़ करना अब संभव नहीं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी,चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा,बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ,स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा।

समाज सुधार और खाप पंचायतें

डॉ. सुधाकर आशावादी
विनायक फीचर्स

समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का दायित्व केवल समाज शास्त्रियों का नही है, बल्कि हर उस जागरूक नागरिक का है, जो सर्व मंगल कामना का पक्षधर है। इस कड़ी में कभी अपनी बिरादरी में अनुशासन बनाने के लिए कड़े कदम उठाने वाली खाप पंचायतें सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के प्रति कितनी गंभीर व सक्रिय हैं, इसका स्पष्ट उदाहरण उत्तर प्रदेश के सौरम गांव में दृष्टिगत हुआ, जहां तीन दिवसीय सर्वखाप महापंचायत ने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर गहन मंथन करके ग्यारह प्रस्ताव पारित किए तथा समाज में प्रचलित प्रेम विवाह, लिव इन रिलेशनशिप,भ्रूण हत्या जैसी स्थिति से निपटने के लिए व्यवहारिक व्यवस्था का अनुपालन करने पर जोर दिया।

ग्यारह प्रस्तावों के अंतर्गत समाज में मृत्युभोज पर किये जाने वाले आडम्बर से मुक्ति हेतु इस कुरीति को बंद करने की व्यवस्था दी। महंगे विवाहों में दहे जैसी कुरीति एवं विवाह को आडम्बर बनाने बनाने वाले आयोजनों के संदर्भ में स्पष्ट किया गया कि विवाह को पारिवारिक आयोजन बनायें तथा दिन में विवाह उत्सवों का आयोजन करें। इससे जुड़ी अंगूठी की रस्म को छोटी करें। भ्रूण हत्या को एक सामाजिक कुरीति बताते हुए इसे समाप्त करने हेतु अभियान चलाने पर बल दिया गया। भ्रूण हत्या के नाम पर गर्भ में ही बालिकाओं की हत्या किये जाने पर अनेक बुजुर्गों ने आक्रोश व्यक्त किया तथा जनसंख्या असंतुलन का बड़ा कारण बताया।

समाज में आधुनिकता के नाम पर यौन उन्मुक्तता को बढ़ावा देने वाली लिव इन रिलेशनशिप तथा समलैंगिकता जैसी कुरीति को स्वीकार न करने का फैसला लिया गया तथा स्पष्ट किया गया कि भारतीय संस्कृति ऐसी अनैतिकता को स्वीकार नहीं करती, इसलिए इस कुरीति पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगना चाहिए। प्रेम विवाह के सम्बन्ध में खाप पंचायतों ने अपना रुख स्पष्ट किया कि विवाह माता पिता की सहमति से ही संपन्न होने चाहिए। हिन्दू विवाह अधिनियम में परिवर्तन करके माता पिता की सहमति को अनिवार्य किया जाना चाहिए।

बालिका शिक्षा पर अधिक जोर देने का संकल्प लिया गया, शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। देश में पर्यावरण संरक्षण हेतु सर्वखाप पंचायत ने जल जंगल और जमीन को बचाने की बात कही तथा जल संरक्षण पर विशेष ध्यान दिए जाने पर बल दिया। गोवंश संरक्षण हेतु भगीरथ प्रयास किये जाने पर सहमति व्यक्त करते हुए कहा गया कि गोवंश को बचाने और उनके संवर्धन हेतु कार्य किए जाएं। समाज में बे ती नशाखोरी की प्रवृत्ति रोकने के लिए जनजागरण अभियान चलाने पर जोर देने के साथ साथ खाप पंचायतों में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी बल दिया गया। निःसंदेह समाज का मार्ग प्रशस्त करने तथा सामाजिक अनुशासन स्थापित करने में पंचायतों के योगदान को कम नहीं आँका जा सकता। सर्वखाप महापंचायत में सर्वजातीय प्रतिनिधियों द्वारा किया गया मंथन यदि अपने प्रस्तावों को आंशिक रूप से भी समाज में लागू करा सका, तो यह समाज की दिशा और दशा के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है,जिसके समर्थन में सर्वसमाज को आगे आना चाहिए, ताकि एक अनुशासित व्यवस्था से समाज गतिशील रह सके।

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

"नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं,बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था,जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था,वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी।"

सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हि मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करो रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हि मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए।

मौके से मिली एके-47,पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हि मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं,बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से 'लाल गलियारा' कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं,वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक 'नक्सलमुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगे और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दर्शाता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बे रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी।

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति,

विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खे ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया,व्यापक आत्म समर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय,हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है।

नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं,भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागे ों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया,जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जो लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उे ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल ले ाई ले ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। से क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा से कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को नक्सलवाद मुक्त भारत बनाना है, तो उसके लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तोड़ किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति में होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे,स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने। यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है। यह एक नए भारत की सुबह है-शांत, सुरक्षित, विकासशील और आत्मविश्वासी। ऐसी सुबह जो आने वाली पी ियों के भविष्य को प्रकाश से भर देगी।

सादगी का बाजार भाव

-डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त-

माधवी एक साधारण-सी लड़की थी–इतनी साधारण कि उसकी सादगी बाजार में एक नया ट्रेंड बन सकती थी। उसका सपना था कि वह देश के किसी प्रतिष्ठित कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी करे,ताकि उसे एक स्थिर, बौद्धिक करियर मिल सके। स्थिर इसलिए,क्योंकि अस्थिरता तो केवल गरीबों के लिए होती है,और बौद्धिक इसलिए, क्योंकि मध्यम वर्ग को अपनी सांसारिक कमाई को महान उद्देश्य का चोला पहनाना जरूरी होता है। लेकिन किस्मत ने उसके लिए कुछ और ही तय कर रखा था–यानी, किस्मत ने भी उसे धोखा दिया। एक दिन,एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में, एक मशहूर फिल्म निर्देशक की नजर उस पर पड़ी। निर्देशक को उसके चेहरे पर सादगी नहीं, बल्कि

बाजार में न बिका हुआ एक प्रोडक्ट दिखा। माधवी, जो कल तक पढ़ाई की चिंता का नाटक कर रही थी, अचानक एक बड़ी फिल्म की नायिका बन गई। निर्देशक का आग्रह और परिवार का समर्थन–दोनों का मतलब एक ही था अरे मूर्ख! जब बिना मेहनत के पैसा और शौहरत मिल रही है, तो क्यों बौद्धिक करियर के लिए सर फोड़ रही है? और माधवी ने हाँ कह दी–क्योंकि उसे मालूम था कि फैसला भले ही उसका हो, लेकिन हाँ तो समाज की इच्छा का ही नतीजा थी। उसकी सादगी अब करोड़ों का व्यापार थी।

उसकी पहली फिल्म हिट हुई–इतनी हिट कि माधवी रातोंरात एक पहचान बन गई। चारों ओर उसके नाम की चर्चा थी, और लोग उसकी सादगी के इस तरह दीवाने थे, जैसे सादगी कोई दुर्लभ वस्तु हो, जो केवल अमीरों के घरों में पाई जाती हो। यह उसके लिए एक नया, चमकदार संसार था–इंटरव्यू,प्रीमियर, और प्रशंसकों की भी । माधवी ने कुछ और फिल्मों में काम किया और सफलता उसके कदम चूमती रही–जैसे सफलता कोई पालतू कुत्ता हो। मगर,इस चकाचौंध के पीछे एक बेचैनी थी। असल में, माधवी को जल्द ही एहसास हो गया कि यह ग्लैमरस दुनिया,जो बाहर से आकर्षक थी, वह उसके भीतर की शांति के लिए महँगी पड़ रही थी। उसे लगा कि कहीं कुछ छूट रहा है। उसे बौद्धिक संतुष्टि और जीवन का गहरा अर्थ कहीं और मिलेगा। यह व्यंग्य का चरम बिंदु है! माधवी को लगा कि उसने शौहरत कमा ली है, अब वह संतुष्टि का अगला और ज्यादा महँगा संस्करण खरीद सकती है। उसे लगा कि ग्लैमर दुनिया की शांति घटिया है, इसलिए उसे विदेश जाकर उच्च शिक्षा में एक ब्रांडेड, इम्पोर्टेड शांति खरीदनी चाहिए। उसने अपनी कला को,जिसने उसे सब कुछ दिया था, एक पुरानी रद्दी की टोकरी में फेंक दिया और फैसला किया अब वह आँखों में आँसू भरकर प्रेम का संवाद नहीं बोलेगी, अब वह डेटा और फाइनेंस के जटिल सिद्धांतों पर उदास और गंभीर मुँह बनाकर भाषण देगी। माधवी का यह फैसला साहसिक नहीं, बल्कि एक व्यवस्थित पलायन था। उसने अभिनय की चमक को पीछे छोड़ा और विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने का निश्चय किया–जैसे उच्च शिक्षा अब आंतरिक शांति बेचने वाली एक दुकान हो। यह जोखिम भरा था,क्योंकि एक स्थापित करियर को छोड़कर बिल्कुल नई राह पर चलना था–लेकिन माधवी को जोखिम उठाने की आदत थी। वह करोड़ों का करियर छोड़कर, अब लाखों रुपए खर्च करके शांत मन का लाइसेंस लेने विदेश गई थी। उसने खुद को किताबों और बिजनेस के जटिल सिद्धांतों में डुबो दिया।

सुविचार

पढ़ाई और जीवन में क्या अंतर है ?
स्कूल में पाठ पहले पढ़ाया जाता है और फिर परीक्षा ली जाती है जबकि जीवन में पहले परीक्षा होती है और फिर सबक सीखने को मिलता है।

- टाम बोडेट

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
–सम्पादक

1952: राष्ट्रपति ने नाम दिया 'बसंत' 2025: राष्ट्रपति सुनेंगी बसंत की व्यथा

8 साल का 'गोलू', 80 साल का 'बसंत'... और 73 साल बाद राष्ट्रपति से दूसरी मुलाकात

- 8 साल का 'गोलू' अब 80 की उम्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेगा...
- भारत के प्रथम राष्ट्रपति से नाम मिला था 'बसंत', अब 15वीं राष्ट्रपति से होगी मुलाकात...
- 1952 में 8 साल के 'गोलू' से पहली मुलाकात...2025 में 80 साल के 'बसंत' से दूसरी मुलाकात...
- 73 साल बाद इतिहास दोहराने को तैयार सरगुजा...
- इतिहास का चक्र पूरा...पहले राष्ट्रपति ने उठाया था गोद में...अब 15वीं राष्ट्रपति करेंगी मुलाकात...
- जंगल का गोलू अब बुजुर्ग बसंत,राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तक पहुँचने का 73 साल का सफर...
- बसंत की आंखों में 1952,और 2025 में फिर वही ऐतिहासिक पल...
- पंडो समाज की उम्मीदें आज राष्ट्रपति के सामने,बसंत पंडो होंगे प्रतिनिधि

-न्यूज डेस्क-

अंबिकापुर,19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में 73 साल बाद एक ऐसा ऐतिहासिक पल लौटने वाला है,जिसने पंडो समाज की पहचान और सम्मान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था, 8 साल की उम्र में 'गोलू' कहलाने वाला छोटा बच्चा,जिसे देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपनी गोद में उठाकर 'बसंत' नाम दिया था,आज वही व्यक्ति 80 वर्षीय बसंत पंडो,देश की 15वीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने जा रहे हैं। सरगुजा की मिट्टी आज उस पल की गवाह बनने जा रही है,जिसे इतिहास सुनहरे अक्षरों में लिखेगा,जिस बच्चे को देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने झोपड़ी में जाकर गोद में उठाया,प्यार दिया,नाम दिया,आज वही बच्चा, अब 80 वर्ष का हो चुका बसंत पंडो,देश की 15वीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने जा रहा है, यह सिर्फ एक मुलाकात नहीं यह तीन पीढ़ियों, दो राष्ट्रपतियों, और एक जनजाति की संघर्ष गाथा का संगम है।

20 नवंबर को अंबिकापुर में राष्ट्रपति का आगमन,बसंत पंडो के लिए विशेष व्यवस्था

आज अंबिकापुर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कार्यक्रम तय है,जिला प्रशासन ने पंडो समाज की ऐतिहासिक भावनाओं को देखते हुए बसंत पंडो को राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए आधिकारिक सूची में शामिल कर लिया है, बसंत पंडो को अंबिकापुर में प्रशासनिक संरक्षण में रखा गया है, आवास,सुरक्षा,कार्यक्रम में एंट्री और मुलाकात का समय सब तय कर दिया गया है,आज ही बसंत पंडो राष्ट्रपति से आमने-सामने मुलाकात करेंगे। उनके साथ चार लोगों को मिलने की अनुमति दी गई है।

1952 - जब इतिहास बना था...

1952 में सरगुजा के दौरे पर आए डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने जंगल की एक झोपड़ी में जाकर पंडो परिवारों से मुलाकात

की थी, उसी समय 8 वर्षीय 'गोलू' को अपनी गोद में उठाकर उन्होंने कहा था 'आज से इसका नाम बसंत होगा।' उन्होंने बसंत को अपना दत्तक पुत्र समान माना, नया कपड़ा पहनाया और साथ ले जाने की इच्छा भी जताई थी, उस पल ने पंडो समाज के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू किया था बैल,बैलगाड़ी, बीज,जमीन और 13 नई बसाहटें उसी दौर में बनाई गईं।

2025 - अब वही बसंत राष्ट्रपति से फिर मिलने जा रहा है...

73 साल बाद वही बच्चा आज 80 साल के बुजुर्ग के रूप में उम्मीद लेकर बैठा है उसकी आवाज़ आज भी भावुक हो उठती है '1952 में आपके पहले राष्ट्रपति ने मुझे अपनाया था...अब आप हमारे समाज की पीड़ा सुनें, हमें न्याय दिलाएँ।' बसंत पंडो इस मुलाकात में अपने समाज की मुख्य समस्याओं और ऐतिहासिक मांगों को भी राष्ट्रपति के सामने रखने वाले हैं।

बसंत के साथ राष्ट्रपति से मिलने चार अन्य लोग भी जाएंगे...

मुलाकात के दौरान बसंत अकेले नहीं होंगे,जिला प्रशासन ने पंडो समाज के प्रतिनिधि चार अन्य लोगों को भी

अनुमति दी है,ताकि समाज अपनी सामूहिक मांगें सीधे राष्ट्रपति तक पहुँचा सके।

मुलाकात सिर्फ बसंत की नहीं...पूरी पंडो जनजाति की आवाज़ होगी,बसंत पंडो की राष्ट्रपति से मुलाकात, क्या-क्या मांगें पूरी हो सकती हैं?

- जाति प्रमाण-पत्र समस्या का स्थायी समाधान
- पंडो विकास प्राधिकरण का गठन
- ओड़गी-बिहारपुर-बैजनपाठ क्षेत्र में सड़क,बिजली-बुनियादी सुविधाएँ
- पंडो युवाओं के लिए विशेष भर्ती अभियान
- सूरजपुर के 'राष्ट्रपति भवन' को पर्यटन स्थल का दर्जा

भावनाओं से भरा एक ऐतिहासिक क्षण...

आज बसंत पंडो की राष्ट्रपति से मुलाकात सिर्फ एक वृद्ध व्यक्ति की पुरानी याद नहीं, बल्कि पूरे पंडो समाज के लिए सम्मान,न्याय और पहचान की लड़ाई का प्रतीक है, 73 साल बाद फिर वही इतिहास लौट रहा है, 1952 में राष्ट्रपति ने पंडो समाज को सम्मान दिया था 2025 में फिर वही सम्मान मिलने जा रहा है।

1952-झोपड़ी में बैठकर हुआ नामकरण... 'आज से यह बसंत है '- 8 वर्षीय 'गोलू' उस दिन समझ

73 साल बाद एक और ऐतिहासिक क्षण,इतिहास दोहराने की तैयारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलना चाहते हैं बसंत पंडो

73 साल का इंतजार...जब जंगल की झोपड़ी में बैठे एक राष्ट्रपति ने 'गोलू' को बसंत बना दिया था...

- आज वही 80 साल का बसंत राष्ट्रपति से दोबारा मिलने की आस लगाए बैठा है...
- 72 साल बाद सरगुजा में दूसरी बार हो रहा राष्ट्रपति का आगमन,बसंत पंडो उनसे मिलना चाहता है...
- 1952 में आये थे राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद,2025 में होगा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन...
- जब सरगुजा आए थे राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति ने पण्डो जनजाति को बनाया दत्तक पुत्र...
- छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में भी है राष्ट्रपति भवन
- राष्ट्रपति से मिल कर उन्हें पंडो जनजाति की स्थिति से अवगत कराना चाहता है पंडो समाज:उदय पंडो

ही नहीं पाया था कि इतिहास उसकी गोद में बैठा है, डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उसे उठाया,नया कपड़ा पहनाया और कहा 'आज से इसका नाम बसंत होगा।' उसी दिन राष्ट्रपति ने उसे अपना दत्तक पुत्र जैसा सम्मान दिया था उस मुलाकात के बाद पंडो समाज पहली बार शासन की मुख्यधारा में आया था।

2025-बुजुर्ग बसंत की आँखों में वो ही चमक :अब 80 की उम्र में भी बसंत की आवाज़ में वही मासूम कंपन है '1952 में देश के राष्ट्रपति ने मुझे अपनाया था... आज मैं फिर अपने राष्ट्रपति से मिलना चाहता हूँ।' वे राष्ट्रपति मुर्मू से सीधे पंडो समाज की समस्याएं,पीड़ा और मांगें बताने वाले हैं।

इतिहास का गोल चक्र,एक बच्चे से शुरू हुआ सफर, एक बुज़ुर्ग पर पूरा हो रहा है...

1952 में राष्ट्रपति ने सरगुजा को सम्मान दिया था, 2025 में वही सम्मान एक कदम आगे बढ़कर पूरा होने जा रहा है, बसंत पंडो की मुलाकात केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, यह पंडो समाज के अधूरे विकास, भीतर दबे दर्द और न्याय की पुकार की कहानी है।

तृतीय श्रेणी कर्मचारी तीन महत्वपूर्ण विभाग के बनाए गए नोडल से डॉक्टरों में नाराजगी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। सरगुजा कमिश्नर नरेंद्र कुमार दुग्गा ने 14 नवंबर 2025 को तृतीय श्रेणी कर्मचारी राजेश गुप्ता को नर्सिंग होम एक्ट,पीसीपीएनडीटी एक्ट और मलेरिया के संभागीय नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। इस आदेश पर छत्तीसगढ़ इन सर्विस डॉक्टर्स एसोसिएशन (सीआईडीए) ने गंभीर आपत्ति जताई है। डॉक्टरों का कहना है कि यह नियुक्ति स्वास्थ्य विभाग के नियमों और पात्रता मानकों का उल्लंघन है, क्योंकि नोडल अधिकारी का पद केवल मेडिकल कैडर के लिए आरक्षित है, और तृतीय श्रेणी कर्मचारी को

यह जिम्मेदारी देना अनुचित है। राजेश गुप्ता,जो कि रघुनाथपुर लुण्ड्रा के लैब टेक्नीशियन हैं, पिछले तीन साल से जिला मलेरिया अधिकारी के प्रभारी हैं। इस नियुक्ति से पहले 31 जनवरी 2022 को तत्कालीन सीएमएचओ ने उन्हें जिला मलेरिया अधिकारी का प्रभारी बनाया था, जब पद रिक्त था। हालांकि,2 अगस्त 2023 को संयुक्त संचालक स्वास्थ्य रायपुर ने उन्हें इस पद से हटाने का आदेश दिया था,लेकिन गुप्ता ने हाईकोर्ट से स्टे प्राप्त कर लिया और वे पद पर बने रहे। राजेश गुप्ता को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के बाद डॉक्टरों ने एक पत्र लिखकर कमिश्नर से मामले की जांच की मांग की है। सीआईडीए के प्रदेश अध्यक्ष डा. इकबाल हुसैन ने आरोप लगाया है कि राजेश गुप्ता के नाम के आगे 'डॉक्टर' लिखा, जो गलत है और यह पात्रता के गलत प्रस्तुतीकरण का संकेत है। इस नियुक्ति को लेकर डॉक्टरों में आक्रोश है और उन्होंने इसे विभागीय मापदंडों के खिलाफ बताया है।

मधुरस निकालने गए ग्रामीण पर मधुमक्खियों का हमला,मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। मधुरस निकालने के चक्कर में ग्रामीण को जान से हाथ धोना पड़ा। बलरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम धरनीडमर का फूलसाय कोड़ाकू 46 वर्ष राजमिस्त्री का काम करता था। 8 नवंबर को वह अपने अन्य साथियों के साथ सिविलदार काम करने के लिए गया था। यहां स्थित पानी टंकी में

मधुमक्खियों का छत्ता देखकर वह मधुरस निकालने गया,इस दौरान मधुमक्खियां उस पर हमला कर दी। मधुमक्खियों के डंक से उसकी तबियत बिगडऩे पर परिजन उसे कुसमी स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर 9 नवंबर को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 18 नव बर को उसकी मौत हो गई।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु होंगी शामिल

कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए हैं जनजातीय विकास प्रदर्शनी एवं क्राफ्ट मेला

बस्तर से लेकर सरगुजा जनजातिए संस्कृति की दिखेगी झलक

हेलीपैड व कार्यक्रम स्थल पीजी कॉलेज ग्राउंड से लेकर शहर में लगाए गए हैं बड़ी संख्या में सुरक्षा बल

राष्ट्रपति का लगभग डेढ घंटे का है कार्यक्रम,जनजातिए स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन से भी करेंगी मुलाकात

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जिले में 20 नम्बर को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम का आयोजन पीजी कॉलेज ग्राउंड में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,मंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार जुएल ओराम,राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार दुर्गा दास उइके,राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार तोखन साहू भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्यमंत्री जनजातीय ग्राम अखरा विकास योजना का शुभारंभ करेंगी। कार्यक्रम में जनजातीय प्रमुखों का भी सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर जनजातीय विकास प्रदर्शनी एवं क्राफ्ट मेला लगाया जाएगा। इस दौरान जनजातीय विद्रोहों के नायकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार के सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरूण साव एवं विजय शर्मा, आदिम जाति विकास विभाग कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री रामविचार नेताम, वित्त वाणिज्यिक कर विभाग मंत्री एवं प्रभारी मंत्री जिला सरगुजा ओम प्रकाश चौधरी, पर्यटन संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग मंत्री राजेश अग्रवाल,लोकसभा क्षेत्र सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज,महापौर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर मंजूषा भगत उपस्थित रहेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, सभी तैयारियां पूर्ण : राष्ट्रपति मुर्मु के एक दिवसीय जिला प्रवास को देखते हुए, जिला एवं पुलिस प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। सुरक्षा व्यवस्थाओं को पूरी तरह चाक-चौबंद कर दिया गया है। कार्यक्रम को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए लगभग 2000 से अधिक पुलिस जवानों की तैनाती की गई है, जोकि पूरे शहर और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालेंगे। पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यक्रम स्थल,मार्गों और शहर के प्रमुख स्थलों पर चरणबद्ध सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। राष्ट्रपति के काफिले के रूट पर विशेष टीमों की तैनाती,बैरिकेटिंग और रिहर्सल पूरी कर ली गई है। हाईवे और शहर के मुख्य चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स, ट्रैफिक पुलिस और आईटी सेल के जवान तैनात किए गए हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए महिला एवं पुरुष पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है। पार्किंग स्थानों और प्रवेश/निकास द्वारों पर कड़ी जांच की व्यवस्था की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल ने सभी अधिकारियों एवं जवानों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रपति दौरे के दौरान आम जनता को असुविधा न हो, इसके लिए सरगुजा पुलिस ने 20 नवंबर को लागू होने वाली ट्रैफिक डायवर्सन एडवाइजरी जारी की है। इसके अंतर्गत राष्ट्रपति के काफिले के रूट पर निर्धारित समय में आम वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।मुख्य मार्गों से शहर में आने-जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा। कुछ प्रमुख चौराहों जैसे गांधी चौक, आकाशवाणी चौक,अंबेडकर चौक, घड़ी चौक पर अस्थायी बैरिकेडिंग की जाएगी। भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर अस्थायी रोक रहेगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे डायवर्सन मार्गों का उपयोग कर अनावश्यक भीड़भाड़ न करें और पुलिस कर्मचारियों का सहयोग करें।

रात में ट्रक से उतारा जा रहा था 300 बोरा अवैध धान, खबर मिलते ही पहुंची प्रशासन की टीम, जब्त कर किया सील

-संवाददाता-

सीतापुर,19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। सीतापुर छेत्रान्तर्गत ग्राम बेलगांव में मंगलवार की रात 1 ट्रक में 300 बोरा धान भरकर पहुंचा था। उसे स्थानीय निवासी के घर पर उतारा जा रहा था। ग्रामीणों ने देखा तो अवैध धान होने की सूचना प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार समेत अन्य प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और धान को जब्त कर लिया। पूछताछ में पता चला कि ट्रक जशपुर से धान लेकर यहां पहुंचा था। प्रशासन ने मामले में 300 बोरी धान जब्त कर सीलबंद की कार्रवाई की। धान उक्त व्यक्ति के ही सुपुर्द कर किसी भी प्रकार से हेरफेर नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। देखने में आया है कि कई लोग दूसरे जिलों व राज्यों से अवैध धान लाकर यहां के खरीदी केंद्रों में खपाते हैं। शासन-प्रशासन द्वारा इस पर सख्ती से रोक लगाई गई है। इसके बावजूद कुछ लोग इस अवैध धंधे में लिप्त हैं। इसी बीच सीतापुर के बेलगांव में मंगलवार की रात ट्रक से 300 बोरी अवैध रूप से धान उतारे जाने की सूचना ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार राजेश यादव, सीनियर सहकारिता निरीक्षक सैनाथ केरकेट्टा, खाद्य निरीक्षक सरस्वती राजवाड़े तथा स्थानीय पटवारी की टीम ने मौके पर दबिश दी।

जनजातीय गौरव दिवस पर शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव का भव्य आयोजन

कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने निर्णायक मंडल में शामिल होकर की लोक कलाओं की समीक्षा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
राज्य शासन के निर्देशानुसार सरगुजा संभाग में जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव 2025 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय,सरगुजा अंबिकापुर के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र लाकपाले निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में शामिल हुए। कुलपति प्रो. लाकपाले ने आदिवासी लोक कला की विभिन्न विधाओं, पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, वाद्य प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का निरीक्षण और मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों की कला, मेहनत और सांस्कृतिक लगन की सराहना करते हुए कहा कि जनजातीय परंपराएं प्रदेश की असली धरोहर हैं, जिनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, वनवासी कल्याण आश्रम के प्रतिनिधि जिला प्रशासन के अधिकारीगण की उपस्थिति में गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ

जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का उत्सव

कार्यक्रम में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विविधता को जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान और जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत,चालक फरार

-संवाददाता-
सरगुजा, 19 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
सरगुजा जिले में नेशनल हाईवे-130 पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। नवापारा के पास तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पर पैदल चल रहे एक बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया,जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। यह घटना लखनपुर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर ग्राम जुड़वानी,नवापारा निवासी सतनारायण पैकरा अपने घर से गांव में ही किसी काम से निकले थे। वह नेशनल हाईवे पर पैदल चल रहे थे। उसी दौरान लखनपुर से उदयपुर की दिशा में तेजी से जा रही एक बाइक ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सतनारायण पैकरा सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर सिर व शरीर में चोटें आई।

इलाज के दौरान बुजुर्ग ने दम तोड़ा

स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल बुजुर्ग को संभाला और लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालांकि,डॉक्टरों ने प्रयास किया लेकिन गंभीर चोटों के चलते बुजुर्ग ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया। उनकी मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,हादसे के समय बाइक की गति काफी तेज थी। टक्कर लगते ही बुजुर्ग उछलकर सड़क पर जा गिरे,जिससे उनके सिर में गहरी चोट आई, वहीं शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें थीं। हादसे के बाद बाइक चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया।

अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज

घटना की सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि फरार आरोपी का पता लगाया जा सके। पुलिस ने बताया कि बाइक की दिशा और कुछ गवाहों के बयान के आधार पर चालक की पहचान जल्द की जाएगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि नवापारा के पास हाईवे पर लगातार तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है, जिससे पैदल यात्रियों को सड़क पार करने में काफी खतरा रहता है। कई बार स्थानीय लोग इस हाईवे पर स्पीड कंट्रोल और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग भी कर चुके हैं।

सड़क हादसों पर बढ़ते सवाल

इस घटना ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर किया है। ग्रामीणों का कहना है कि हाईवे पर स्पीड ब्रेकर या चेतावनी संकेत नहीं होने के कारण अक्सर दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस क्षेत्र में अतिरिक्त निगरानी और सड़क सुरक्षा के उपाय जल्द किए जाएं। लखनपुर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तेज की गई है और फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। बुजुर्ग की मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है और स्थानीय लोग आरोपी को जल्द पकड़ने की मांग कर रहे हैं। यह घटना सड़क सुरक्षा के प्रति दोबारा चेतावनी देती है कि तेज रफ्तार और लापरवाही से एक की जान जा सकती है और कई परिवारों का जीवन उजड़ सकता है।

खेलने के दौरान बच्ची खाली ली चूहामार दवा,मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम सुआरपारा में 17 नवंबर को एक मासूम बच्ची खेलने के दौरान चूहामार दवा खा गई। परिजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरन उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम सुआरपारा निवासी श्यामलाल के घर में दो-तीन दिन से चूहा खाने के लिए सांप घुस रहा था। आए दिन सांप घुसने से बनी खतरे की स्थिति को देखते हुए श्यामलाल चूहों को मारने के लिए दवा घर में लेकर आया था। 17 नवंबर को श्यामलाल की 3 वर्षीय पुत्री वाधिका घर में खेल रही थी। इस दौरान अंजाने में चूहामार दवा को खा ली थी। इसकी जानकारी परिजन को तत्काल नहीं लगी। बच्ची के बार-बार शौच के लिए जाने और उल्टी करने पर परिजन की चिंता बढ़ी। इस बीच बच्ची द्वारा की गई उल्टी को मुर्गा-मुर्गी खाए और दोनों मर गए। चूहामार दवा का सेवन करने की संभावना पर वे बच्ची को लेकर शांतिपारा स्वास्थ्य केन्द्र प्राथमिक चिकित्सा ले गए। यहां चिकित्सक ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मवेशी के हमले से घायल बाइक सवार युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
मवेशी के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए सूरजपुर जिला के भैयाथान थाना अंतर्गत ग्राम केंवरा निवासी बाइक सवार युवक बालेश्वर पिता छोटेलाल 18 वर्ष की मौत हो गई। मृतक 9 नवंबर को ग्राम पर्री बाइक से जा रहा था, इस दौरान रास्ते में अचानक दौड़ते पहुंचे मवेशी ने उस पर हमला कर दिया,जिसमें वह सडक़ पर गिरकर बेहोश हो गया था। परिजन उसका भैयाथान और सूरजपुर जिला अस्पताल में इलाज कराए थे। 18 नवंबर को युवक की तबियत बिगडऩे पर परिजन भैयाथान स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे,यहां से आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे दोपहर 1.5 बजे मृत घोषित कर दिया।

दुकान के सामने से स्कूटी चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
नवापारा चर्च के सामने स्थित दुकान के सामने से स्कूटी अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। घटना 16 नव बर को सुबह 9.14 बजे के लगभग की है। दुकान संचालक विजय गोयल ने पुलिस को बताया है कि वह अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीवाई 3938 को अपने दुकान के सामने खड़ा किया था। अचानक स्कूटी गायब देखकर जब उन्होंने आसपास अपने दोपहिया वाहन को तलाशना शुरू किया तो नवापारा चैक पर लगे सीसीटीव्ही कैमरे में स्कूटी चोरी करके ले जाते अज्ञात व्यक्ति नजर आया। सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और चोर के तलाश में लगी है।

धान बिचौलियों पर प्रशासन की गिरी गाज...

बिचौलियों के ठिकाने में दबिश देकर प्रशासन के संयुक्त टीम ने 140 बोरी अवैध धान किया जब्त

-संवाददाता-
राजपुर, 19 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
विदित हो कि खरीफ विपणन वर्ष आने पर प्रदेश सरकार के आदेशानुसार 2025-26 के लिए धान खरीदी शुरू शुभाराम किया जा चुका है। बिचौलियों अवैध धान खपाने के लिए कोशिश में लगे हुए हैं लेकिन लेकिन प्रशासन के मुस्तैदी से उनके मंसूबे पे पानी फेरते हुए अवैध रूप से भंडारण किए हुए 140बोरी जब्त कर मंसूबों पर पानी फेरा। ज्ञात हो कि बलरामपुर जिला प्रशासन अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई में जुटा हुआ है। जानकारी के अनुसार बलरामपुर कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशानुसार कहा गया है कि वास्तविक किसानों से ही धान खरीदी सुनिश्चित करना है यह भी कहा गया है कि हर हाल में कोचियों-बिचौलियों अपने मंसूबों पर कामयाब न हो पाए, उनपर रोक लगाने के लिए सभी निगरानी दलों, नोडल अधिकारियों और राजस्व अमले को सतत कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। निर्देशों के अनुपालन करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर देवेंद्र प्रधान के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। जिसको लेकर गठित टीम के द्वारा 17 नवम्बर को ग्राम पंचायत भदार में कार्रवाई की गई अवैध रूप से धान भंडारण करने वाले प्रमोद सिंह पिता रामकेश्वर के यहां भंडारित 60 बोरी धान जब्त किया गया। वहीं 18 नवम्बर को ग्राम बघिमा स्थित जयसवाल जनरल स्टोर में एसडीएम की उपस्थिति में मंडी निरीक्षक एवं खाद्य निरीक्षक की टीम ने 80 बोरी अवैध धान जब्त किया। एस डी एम देवेंद्र प्रधान ने बताया, जिले में अवैध धान की आवक रोकने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार निगरानी एवं कार्रवाई कर रही हैं। कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जा रहे हैं ताकि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या अनियमितता की जानकारी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

आरआई भर्ती पेपर लीक मामला : एसीबी-ईओडब्ल्यू ने अंबिकापुर के 4 आरआई के निवास पर मारा छापा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
एसीबी और ईओडब्ल्यू की संयुक्त टीम ने बुधवार की सुबह अंबिकापुर में निवास कर रहे 4 आरआई के घर पर छापा मारा। इनके निवास स्थान से दस्तावेज समेत रुपए ट्रांजेक्शन के सबूत खंगाले जा रहे हैं। दरअसल वर्ष 2024 में आरआई भर्ती परीक्षा में पेपर लीक मामले में इन चारों आरआई का नाम सामने आया था। पटवारियों द्वारा जो परीक्षा दी गई थी, उसमें ये शामिल थे। इसे लेकर ईओडब्ल्यू ने एफआईआर भी दर्ज की थी, इसके बाद से भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी। कार्रवाई से यहां हडक़ंच मचा हुआ है। वर्ष 2024 में पटवारियों द्वारा आरआई की भर्ती परीक्षा दी गई थी। इसमें अंबिकापुर के भी पटवारी शामिल हुए थे। परीक्षा में सभी पटवारी पास हो गए थे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी के 108 वे जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी के 108 वे जयंती पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इस दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि सही मायनों में वो एक साहसी प्रधानमंत्री थी। उन्होंने देश को परमाणु शक्ति सम्पन्न बनाकर और पाकिस्तान के दो टुकड़े करकर असली साहस का परिचय दिया था। उनमें हौसला था कि उन्होंने अमेरिका को लाल आंख दिखलाते हुए पाकिस्तान के दो फाड़ कर दिये। सिक्किम का देश मे विलीनीकरण किया। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने कहा कि स्व इंदिरा गांधी जितनी धर्मनिरपेक्ष थी उतने ही ज्यादा अडिगता से हिंदू धर्म के नियमों का पालन भी करती थी। 1977 तक प्रधानमंत्री रहते प्रधानमंत्री आवास में स्थित मंदिर में वो प्रतिदिन 108 फूलों से श्रृंगार किया करती थी। 1980 के लोकसभा चुनाव में विजय प्राप्त करने के बाद जब उन्होंने प्रधानमंत्री आवास में पुनः प्रवेश किया तब वहां स्थित उस मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया गया। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री श्री द्वितेंद्र मिश्रा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, मधु दीक्षित,इरफान सिद्दकी, संजीव मंदिलवार और रजनीश सिंह ने भी इस दौरान सभा को संबोधित किया। कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लोकेश कुमार ने सभा का संचालन किया।

इस दौरान मो इस्लाम,मदन जायसवाल,अनूप मेहता,अशफाक अलि, जमील खान,नरेंद्र विश्वकर्मा,अमित तिवारी राजा,नितीश चौरसिया,रजनीश सिंह, सोहन जायसवाल,अमित सिन्हा,बिज्जू गुप्ता,हनुमान सिंह,ए पी सांडिल्य,लखन मरावी,अविनाश कुमार,उत्तम राजवाड़े,प्रभात रंजन सिन्हा, परवेज आलम गांधी, विकास शर्मा,मो इमरान, सौरभ फिलिप, दिलीप धर,चंचला सांडिल्य,गीता रजक, मंजू सिंह,मिला तिर्की,अनुराधा सिंह, शालिनी अग्रवाल,संजर नवाज,
अनिता रजक,अंकित जायसवाल,ऋषभ जायसवाल, वीरेन्द्र सिन्हा, केदार यादव।

लखनपुर ब्लॉक के कुन्नी में विकास कार्यों की सौगात : ग्रामीणों में खुशी की लहर,पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के हाथों लोकार्पण व भूमिपूजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुन्नी में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने करोड़ों रुपये के विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुन्नी का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन,10 करोड़ 42 लाख रूपए की लागत से पोड़ी से जगन्नाथपुर मार्ग पर रिहंद नदी पर उच्च स्तरीय पुल व पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, 8 करोड़ 68 लाख रूपए की लागत से लिपिंगी से मुड़ापारा मार्ग पर रिहंद नदी पर उच्च स्तरीय पुल व पहुंच मार्ग, 26 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत से अमगसी से कुन्नी 13 किमी लंबे मार्ग का मजबूतीकरण व चौड़ीकरण, 30 लाख रूपए लागत से महतारी सदन का निर्माण कार्य तथा 56 लाख रूपए की लागत से हाट-बाजार का निर्माण कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुन्नी और आसपास के क्षेत्रों के लिए इतने बड़े पैमाने पर निर्माण कार्यों की मंजूरी पहली बार मिली है। यह यहां के लोगों के लिए वरदान है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल का भी धन्यवाद किया और बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन होने से स्टाफ भी 16 से बढ़कर 40 होगा, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

मंत्री श्री अग्रवाल ने क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मैं सदैव आप सबके सुख-दुख में आपके साथ रहूंगा। क्षेत्र के लोग अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, यह विष्णुदेव साय सरकार की देन है। करोड़ों के निर्माण कार्यों के भूमिपूजन ने ग्राम पंचायत कुन्नी व पूरे क्षेत्र को विकास की नई दिशा दी है। ग्रामीणों ने इसे सपनों का साकार होना बताते हुए पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल व साय सरकार के प्रति आभार जताया।

इस अवसर पर लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष श्री देव नारायण यादव, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शशिकला सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध रेत परिवहन करते बघिमा चाची मोड़ पर दो टीपर जब्त

वैध कागजात नही पाए जाने पर बरियों चौकी को किया सुपुर्द

-संवाददाता-
राजपुर, 19 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जानकारी के अनुसार राजपुर एसडीएम देवेंद्र प्रधान के निर्देश पर नायब तहसीलदार नरेंद्र कंवर ने बघिमा चाची मोड़ के पास अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो टीपर वाहनों को पकड़कर जब्त किया। दोनों वाहन बिना वैध दस्तावेजों के रेत का परिवहन कर रहे थे। कार्रवाई के बाद दोनों टीपर वाहनों को आगे की कार्रवाई के लिए बरियों चौकी को सुपुर्द किया गया।

जानकारी के अनुसार जब्त टीपर नंबर क्रमांक CG15 EF 6650 है, ड्राइवर विष्णु यादव, निवासी सापड़ा (धौरपुर) परसवार कला से सापड़ा,धौरपुर की ओर रेत लेकर जा रहा था जिसका वाहन मालिक शिव प्रसाद है। दूसरा जब्त 'सोल्ड' टीपर वाहन का चालाक कमेश्वर,निवासी खूखरी , परसवार से घंटगांव की ओर रेत परिवहन कर रहा था जिसका वाहन मालिक रामरूप यादव है। दोनों अवैध रेत परिवहन करते वाहनों को जब्त कर बरियों चौकी को सुपुर्द किया गया। प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में अवैध खनन एवं रेत परिवहन पर रोक लगाने निरंतर अभियान चलाया जा रहा है तथा भविष्य में भी ऐसे प्रकरणों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासनिक टीम ने स्पष्ट किया कि अवैध रेत उत्खनन व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पटना तहसीलदार पर बड़ा आरोप,सरपंच बनने के लिए जारी किया फर्जी 'जनजातीय' जाति प्रमाण-पत्र

पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में नियम ताक पर...ग्राम सभा प्रस्ताव के आधार पर सर्टिफिकेट बनाने का प्रावधान नहीं...फिर भी जारी

अब जांच और कार्रवाई की मांग

इस नए और गंभीर मामले ने जिला प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोगों और सूत्रों ने मांग की है...

जाति प्रमाण पत्र की तत्काल जांच- क्या तहसीलदार ने सच में फर्जी जाति प्रमाण पत्र जारी किया है?

सर्टिफिकेट निरस्त हो-यदि प्रमाण-पत्र फर्जी पाया जाता है,तो उसे तुरंत निरस्त किया जाए...

तहसीलदार पर कार्रवाई-नियम-कायदों का उल्लंघन करने और पद के दुरुपयोग के लिए तहसीलदार के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए...

ग्राम सभा की जांच-जिस ग्राम सभा प्रस्ताव के आधार पर यह प्रमाण-पत्र जारी किया गया है,उसकी सत्यता और उसमें शामिल लोगों की भूमिका की भी जांच हो। जिला प्रशासन इस संवेदनशील मामले में क्या रुख अपनाता है, यह देखना बाकी है। यह मामला सिर्फ एक अधिकारी के कदाचार का नहीं,बल्कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में संवैधानिक व्यवस्था के सम्मान का सवाल है।

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,19 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले की पटना तहसील के तहसीलदार एक बार फिर अपने विवादित फैसलों को लेकर सुर्खियों में हैं, इस बार उन पर एक गैर-आदिवासी व्यक्ति को जनजातीय समुदाय का फर्जी जाति प्रमाण पत्र जारी करने का गंभीर आरोप लगा है,सूत्रों के अनुसार, यह प्रमाण पत्र कथित तौर पर उस व्यक्ति को सरपंच बनने की योग्यता प्रदान करने के उद्देश्य से जारी किया गया है,चूंकि कोरिया जिला पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है, इसलिए त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के प्रमुख पदों पर चुनाव लड़ने के लिए जनजातीय समुदाय से होना अनिवार्य है।

बता दे कोरिया जिले के पटना तहसील के तहसीलदार लगातार खुद को सुर्खियों में बनाए हुए हैं, उनके कई फैसले और कई आदेश ऐसे देखने सुनने को मिल रहे हैं जो यह साबित करते हैं कि वह नियम कायदों से आगे बढ़कर काम करने के आदि हैं और उसी आधार पर वह आदेश जारी करते हैं और कई फैसले वह सुनाते हैं,हालिया मामला एक जनजातीय समुदाय के जाति प्रमाण पत्र का है,सूत्रों के अनुसार तहसीलदार साहब ने एक गैर आदिवासी समाज के व्यक्ति को जनजातीय समुदाय का जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है,यह मामला एक ग्राम के सरपंच से जुड़ा हुआ है

जिसे माना जाता है सरपंच बनने के लिए यह जाति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है, वैसे यह एक सवाल है जो सूत्रों की जानकारी से खड़ा हो रहा है कि क्या पटना तहसील के तहसीलदार ने केवल एक ग्राम में सरपंच बनने के लिए योग्यता प्रदान करने के लिए एक जाति प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया जारी कर दिया क्योंकि कोरिया जिला पांचवीं अनुसूची क्षेत्र अंतर्गत आता है और जिले में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था अंतर्गत प्रमुख पदों पर चुनाव लड़ने के लिए जनजातीय समुदाय से होना आवश्यक है।वैसे क्या तहसीलदार पटना ने सब कुछ जानते हुए ग्राम सभा प्रस्ताव आधार पर जाति प्रमाण-पत्र बनाया जिससे किसी व्यक्ति को सरपंच बनने में आसानी हो सके, सूत्रों की माने तो सच यही है। खैर अब यह मामला जांच का है नहीं है यह तो जिले के वरिष्ठ अधिकारी तय करेंगे, लेकिन यदि आवाज उठी है तो कुछ न कुछ सच्चाई मामले में होगी यह कहना गलत नहीं होगा, वैसे तहसीलदार पटना से जुड़ा यह कोई पहला मामला नहीं है,वह लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं और यह सुर्खियां उन्हें उनके द्वारा जारी विभिन्न आदेशों के कारण मिल रही हैं, कभी भूमि मामलों के निपटारे का आदेश कभी जाति प्रमाण पत्रों के जारी करने में आरोप,तहसीलदार पटना पर आरोप लगते चले आ रहे हैं और जांच किसी मामले में उनके विरुद्ध संस्थित नहीं की जा रही है।

नियमों की अनदेखी और ग्राम सभा प्रस्ताव का दुरुपयोग

रिपोर्ट में सबसे बड़ा सवाल यह उठाया गया है कि तहसीलदार ने यह जाति प्रमाण पत्र ग्राम सभा के प्रस्ताव के आधार पर बनाया है...

सवाल- सूत्रों की जानकारी के अनुसार, ग्राम सभा के आधार पर जाति प्रमाण पत्र बनवाने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद, तहसीलदार ने किस आधार पर यह प्रमाण पत्र जारी कर दिया?

आरोप-सूत्रों का मानना है कि तहसीलदार ने सब कुछ जानते हुए,केवल एक गैर-आदिवासी व्यक्ति को सरपंच बनने में मदद करने के लिए यह प्रमाण-पत्र बनाया है...

यदि यह आरोप सही साबित होता है,तो इसका सीधा अर्थ है कि एक जनजातीय समुदाय के योग्य व्यक्ति को निर्वाचित होने से वंचित करते हुए अन्य समाज को लाभ पहुंचाया गया है, जो पेसा एक्ट और पांचवीं अनुसूची के मूल उद्देश्य का उल्लंघन है...

तहसीलदार की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह...तहसीलदार पटना से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है। वह पहले भी भूमि मामलों के निपटारे और अन्य आदेशों को लेकर लगातार सुर्खियों में रहे हैं। उन पर कई बार आरोप लग चुके हैं, लेकिन किसी भी मामले में उनके विरुद्ध जांच संस्थित नहीं की गई है...

जशपुर में युवती से दो बार दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तारः लिफ्ट के बहाने दिया वारदात को अंजाम,न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

-संवाददाता-
जशपुर,19 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

22 वर्षीय युवती से दुष्कर्म करने और उसे धमकाने के आरोपी दशरथ यादव (29) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ धारा 64(1), 69 और 351(2) के तहत मामला किया गया है। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने 16 नवंबर को थाने पहुंचकर अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। पीड़िता ने बताया कि 22 जनवरी 2025 को वह अपने मामा के घर से शाम करीब 5 बजे पैदल घर लौट रही थी।

सुनसान जगह पर दुष्कर्म

इसी दौरान उसके परिचित दशरथ यादव बाइक से आया और उसे घर छोड़ने के लिए लिफ्ट देने की पेशकश की। युवती ने दशरथ पर भरोसा कर उसकी बाइक पर बैठ गई। लेकिन,रास्ते में आरोपी उसे एक सुनसान जगह ले गया। वहां उसने युवती को धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

शादी का झांसा और दोबारा रेप

वारदात के बाद उसने शादी का झांसा देकर और किसी को कुछ न बताने की धमकी देकर पीड़िता को डराया। पीड़िता ने आगे बताया कि 24 जनवरी को जब वह गांव के बाजार में खड़ी थी,तब आरोपी दशरथ यादव फिर से आया और उसे अपनी बाइक पर बैठने के लिए दबाव बनाने लगा।

युवती हुई प्रेग्नेंट

जब युवती ने मना किया, तो उसने उसे बदनाम करने की धमकी दी। डरी-सहमी युवती को आरोपी फिर से सुनसान स्थान पर ले गया और उसके साथ दोबारा दुष्कर्म किया। इन घटनाओं के बाद युवती गर्भवती हो गई, लेकिन लोक-लाज और डर के कारण उसने किसी को कुछ नहीं बताया।

शादी के 6 महीने भीतर दिया बच्चे को जन्म

इस बीच उसके परिवार वालों ने उसकी शादी कर दी। शादी के छह महीने के भीतर ही उसने एक बच्ची को जन्म दिया। जब पति और ससुराल वालों ने इस बारे में पूछताछ की, तब उसने पूरी घटना उन्हें बताई। इसके बाद परिवार ने पीड़िता को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने हर बार उसे जान से मारने की धमकी दी थी।

छत्तीसगढ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता ,जल संसाधन विभाग क्र.2, रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 08.12.2025, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	अमंत्रण का क्रमांक
178221	11/व.ले.लि./ 2025-2026 दिनांक 17.11.2025	कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी उप संभाग एवं सिंचाई कालोनी वाड्रफनगर योजना	295.08	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 24.11.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।
नोटः- 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022)के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2,रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज, छ0ग0
कृते मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार,जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0
जी नंबर-252604837/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सुचना

जिला जल एंव स्वच्छता सरगुजा की ओर कार्यपालन अभियंता सदस्य सचिव, जिला जल एंव स्वच्छता मिशन द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नवा रायपुर द्वारा जारी शेडयूल ऑफ रेटस जो दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील है, निविदा जारी होने की तिथि तक समस्त संशोधनों सहित लागू होगी के आधार पर सरगुजा जिले के निम्नलिखित ग्रामों में पम्प स्थापना, टंकी निर्माण एंव पाईप लाईन कार्य तथा अन्य कार्य हेतु पत्रक अ (प्रतिशत दर) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	ग्राम	ठेके की अनुमानित लागत (रू.लाख में)	आमंत्रण
1	30 दिनांक 06.11.2025	179056	मैनपाट	बरिमा	249.35	द्वितीय
2	31 दिनांक 06.11.2025	179057	सीतापुर	बेलजोरा	217.09	द्वितीय
3	32 दिनांक 06.11.2025	179058	मैनपाट	जजगा	268.1	द्वितीय
4	33 दिनांक 06.11.2023	179059	मैनपाट	कुदारीडीह	229.48	द्वितीय
5	34 दिनांक 06.11.2025	179060	मैनपाट	कुनिया	132.86	द्वितीय
6	35 दिनांक 06.11.2025	179061	सीतापुर	लिचिरमा	135.53	द्वितीय
7	36 दिनांक 06.11.2025	179062	मैनपाट	लुरेना	166.37	द्वितीय
8	37 दिनांक 06.11.2025	179063	सीतापुर	नवापारा	173.35	द्वितीय
9	38 दिनांक 06.11.2025	179064	मैनपाट	पिडिया	171.99	द्वितीय
10	39 दिनांक 06.11.2025	179065	बतौली	पोकसरी	137.16	द्वितीय
11	40 दिनांक 06.11.2025	179066	मैनपाट	रजखेता	152.4	द्वितीय
12	41 दिनांक 06.11.2025	179067	सीतापुर	रजपुरी	167.08	द्वितीय
13	42 दिनांक 06.11.2025	179068	मैनपाट	रोपाखार	134.66	द्वितीय
14	43 दिनांक 06.11.2025	179069	मैनपाट	सरभंजा	209.76	द्वितीय
15	44 दिनांक 06.11.2025	179070	बतौली	तेलाईधार	164.87	द्वितीय
16	45 दिनांक 06.11.2025	179071	लुण्ड्रा	झेराडीह	277.68	द्वितीय

बिड संबमिशन की अँतिम तिथि 26.11.2025 समय-17:30 बजे तक। निविदा के सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) में दिनाँक 11.11 2025 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
अम्बिकापुर
जी.नं.-252604797/4

अग्निवीर भर्ती 2025-26 जिले के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

-संवाददाता-
कोरिया,19 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिला रोजगार अधिकारी से प्राप्त जानकारी दी है कि राष्ट्रीय रोजगार सेवा छत्तीसगढ़, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बैकुण्ठपुर द्वारा भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती वर्ष 2025-26 के अंतर्गत, थल सेना भर्ती कार्यालय रायपुर,द्वारा कम्प्यूटर आधारित परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ठ प्रदर्शन हेतु शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण जिसके अंतर्गत 1.6 कि.मी. दौड़, बीम पुल-अप, 9 फीट गड्ढा कूदना सहित अन्य शारीरिक दक्षता गतिविधियों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। अतः जिले के इच्छुक अभ्यर्थी जो कम्प्यूटर आधारित परीक्षा में सफल हो, वे परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, अभ्यर्थी संबंधी समस्त दस्तावेजों के साथ स्वयं 25 नवम्बर 2025 तक अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपना पंजीयन कराएं, ताकि उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण का लाभ दिया जा सके।

छत्तीसगढ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता ,जल संसाधन विभाग क्र.2, रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 04.12.2025, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	अमंत्रण का क्रमांक
179266	06/व.ले.लि./ 2025-2026 दिनांक 13.11.2025	लोधीडांड (लोधी) जलाशय योजना का जीर्णोद्वार कार्य।	287.54	प्रथम आमंत्रण
179267	07/व.ले.लि./ 2025-2026 दिनांक 13.11.2025	सरना जलाशय योजना का जीर्णोद्वार कार्य।	281.92	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 20.11.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।
नोटः- 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2,रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज, छ0ग0
कृते मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार,जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0
जी नंबर-252604838/3

छ0ग0 शासन वन विभाग सरगुजा,वनमंडल अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सरगुजा वनमण्डल के अधिन काष्ठागार अम्बिकापुर में भण्डारीत इमारती काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्शन किया जावेगा । इच्छुक व्यापारीयों एवं अन्य क्रेताओ से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय काष्ठागार अम्बिकापुर से प्राप्त की जा सकती हैं।

काष्ठागार अम्बिकापुर

नीलाम दिनांक-24.11.2025 समय-प्रातः 09:00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
	लट्ठा (घ0मी0)	बल्ली (नग)	लट्ठा (घ0मी0)	बल्ली (नग)	लट्ठा (घ0मी0)	बल्ली (नग)
सागौन	16.010	43	113.384	2766	129.394	2809
साल	35.545	0	3664.021	2358	3699.566	2358
साजा	0.000	0	32.177	111	32.177	111
खम्हार	0.000	0	16.839	307	16.839	307
धावड़ा	0.000	0	33.780	19	33.780	19
सलैया	0.000	0	58.633	39	58.633	39
हल्दू	0.000	0	15.035	0	15.035	0
अन्य	0.000	0	715.470	1295	715.470	1295
योगः-	**51.555**	**43**	**4649.339**	**6895**	**4700.894**	**6938**
जलाऊ	**195.000**	**Chatta**	**1358.000**	**Chatta**	**1553.000**	**Chatta**

टीप :- 1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई- कोमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं ।
4. ई-आक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
सरगुजा वनमण्डल,अम्बिकापुर
जी.नं.-252604831/3

WCD सरगुजा-सूरजपुर भर्ती में बड़ा खेल !

अनुभव बदल गए,प्रतिशत बढ़ गए,चयन सूची में 'फेवरिट नाम'—दस्तावेज़ों ने खोली पोल

महिला एवं बाल विकास विभाग में भर्ती पर गंभीर सवाल...

पूजा गोस्वामी का अनुभव दो जगह अलग अलग, दो पदों में अलग रिकॉर्ड, क्या चल रहा है विभाग में ?

केस वर्कर के चयन में भी बड़ा फर्क,भैयाथान सूरजपुर-सरगुजा की पूरी प्रक्रिया जांच के दायरे में...

WCD सरगुजा-सूरजपुर भर्ती में बड़े खेल के दस्तावेज सामने आए!

दैनिक घटती-घटना एक्सक्लूसिव

अनुभव अंक काटे गए, प्रतिशत बदले गए, दो पदों में अलग-अलग रिकॉर्ड, शिकायतें कलेक्टर तक पहुँची

-शमरोज खान -

सूरजपुर,19 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर की भर्ती प्रक्रिया पर फिर से सवाल उठने लगे हैं,पूजा गोस्वामी के अनुभव रिकॉर्ड, केस वर्कर चयन में प्रतिशतों का भारी अंतर, और विभागीय अधिकारियों की कथित भूमिका पर अब कई स्तर पर उंगलियां उठ रही हैं, पूरा मामला अब जांच योग्य बताया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन मिशन वात्सल्य,चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और केस वर्कर भर्ती से जुड़े बड़े अनियमितताओं के प्रमाण अब सामने आ गए हैं, दैनिक घटती-घटना को कई अभ्यर्थियों ने लिखित आवेदन, अनुभव पत्र,हस्तलिखित नोट, प्रतिशत तुलना और कलेक्टर को भेजी गई प्रतियां उपलब्ध कराई हैं, जिनमें कई गंभीर विरोधाभास साफ दिख रहे हैं, नीचे सबसे महत्वपूर्ण 7 अनियमितताएँ साफ-साफ उभर रही हैं,अनुभव अंक जानबूझकर काटे जाने का आरोप (प्रथम दस्तावेज़ से स्पष्ट) शीतल सिंह (अभ्यर्थी) ने कलेक्टर सूरजपुर को दिए आवेदन में लिखा, सूरजपुर में सिर्फ आपातकालीन अनुभव के 10 अंक दिए गए, जबकि अन्य जिलों में सामान्य अनुभव, आपातकालीन अनुभव दोनों के अंक दिए गए, अनुभव के आधार पर मेरिट 20 अंक गड़बड़ हुई, इसका सीधा असर अभ्यर्थी की मेरिट लिस्ट (टॉप-5) में जगह न बनने पर पड़ा।

वो अभ्यर्थी जिन पर चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल, दस्तावेजों में दर्ज नाम (जैसा कि शिकायतकर्ताओं द्वारा कलेक्टर व विभाग को दिए गए दस्तावेजों में उल्लेखित है)-

पूजा गोस्वामी जिला मनेंद्रगढ़- अनुभव दो जगह अलग-अलग बताया गया एक ही अवधि का 'दोहरे अनुभव' का मामला,पति महिला एवं बाल विकास सूरजपुर कार्यालय में ऑपरेटर हित- संघर्ष का आरोप

फुलेश्वरी / बुधन रामपरामर्शदाता- चयन में अनुभव अंक जोड़ने को लेकर आपत्ति-अनुभव सत्यापन की मांग

*खुशबू जयसवाल,सुपरवाइज़र (अनारक्षित)- अनुभव की मान्यता पर सवाल, जिले के नियमों से मेल न खाने का आरोप

रीता सिंह,सुपरवाइज़र (एससी/एसटी श्रेणी)- आरक्षण कोटे में चयन योग्य अंक जोड़ने पर आपत्ति, आपातकालीन अनुभव बनाम सामान्य अनुभव में अंतर

मनीषा कुशवाहा, सुपरवाइज़र (अन्य पिछ ा वर्ग वर्ग)-अनुभव अंक विवाद अंक निर्धारण और पात्रता की प्रक्रिया पर सवाल

यशोद गुप्ता,केश वर्करः अनारक्षित- मेरिट में नियम से अलग अंक जोड़ने का आरोप-आपातकालीन अनुभव का गलत तरीके से समावेश का दावा

मनीषा कुशवाहा,सुपरवाइज़र (अनारक्षित)-अभ्यर्थि एक दोनों वर्गों का लाभ लिया है जिसकी सूची सत्यापन मांगने की आवश्यकता बताई गई है...

प्रकाश राजवा `,केस वर्कर (अन्य पिछ ा वर्ग वर्ग)- अनुभव सत्यापन व अंक निर्धारण में विसंगति,पात्र-अपात्र सूची में बदलाव का आरोप

पूजा गोस्वामीः एक ही व्यक्ति का दो जगह अलग अनुभव, कैसे?

पहला अनुभव (बीआरसी भैयाथान) महिला सशक्तिकरण हेतु अनपढ़ महिलाओं को शिक्षा व प्रशिक्षण का कार्य 01/01/2011 से 22/09/2023 तक यह अनुभव महिला सशक्तिकरण भर्ती में लगाया गया था। दूसरा अनुभव (जिला समन्वयक महिला बाल विकास संचालक रायपुर) इसमें पूजा गोस्वामी ने दो अनुभव लगाए सरस्वती शिशु मंदिर 01/07/2008 से 02/12/2010, साक्षरता प्राधिकरण सूरजपुर -01/01/2011 से 22/09/2023 सवाल ये है की एक ही व्यक्ति का एक ही अवधि (01/01/2011-22/09/2023) एक बार महिला सशक्तिकरण भैयाथान में दूसरी बार ÷साक्षरता प्राधिकरण सूरजपुर÷ में दो अलग कार्यस्थलों पर एक ही तारीख में अनुभव कैसे संभव है? क्या यह अनुभव में हेरफेर है? दोहरी प्रविष्टि है? या विभागीय गलती? यह पूरी प्रक्रिया जांच का विषय बन चुकी है।

केस वर्कर चयन में चौंकाने वाला अंतर

सरल क्रमांक 254 के अनुसार प्रकाश राजवाड़े सरगुजा मिशन वात्सल्य पात्र-अपात्र सूची12वीं का प्रतिशत 43.40 प्रतिशत, सूरजपुर केस वर्कर पात्र-अपात्र सूची उसी उम्मीदवार का प्रतिशत 88.8प्रतिशत, सवाल ये है की एक ही व्यक्ति का वही मार्क-शीट दो जिलों में दो अलग प्रतिशत कैसे दिखा रही है? क्या नए दस्तावेज लगाए गए? विभागीय एंट्री बदली गई? या चयन प्रणाली में गड़बड़ी है? यह अंतर संदेह पैदा करता है और जांच की मांग मजबूत करता है।

मनेंद्रगढ़ में भी जिला कार्यक्रम अधिकारी पर ऐसे ही आरोप

मंडल स्तर पर मनेंद्रगढ़ में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा इसी तरह की नियुक्ति को लेकर भी कई शिकायतें सामने आई हैं, सूत्रों के अनुसार चयन प्रक्रिया में मनमानी गुणांक में संशोधन, कुछ उम्मीदवारों को लाभ पहुँचाने का आरोप जांच का विषय बना हुआ है।

क्या विभागीय कर्मचारियों का दबाव ?

सूत्रों के अनुसार पूजा गोस्वामी के पति नीलेश गोस्वामी महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं, स्थानीय कर्मचारियों के अनुसार यह संबंध भी चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाता है कि क्या विभागीय प्रभाव भर्ती में इस्तेमाल हुआ?

जिन अधिकारियों पर सवाल उठ रहे हैं...

कई अभ्यर्थियों और विभागीय स्रोतों की ओर से इन अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न उठाए गए हैं शुभम बंसल जिला कार्यक्रम अधिकारी, मनोज जायसवाल बाल संरक्षक अधिकार, अखिलेश सिंह विभागीय अधिकारी इन पर आरोप है कि पात्र-अपात्र सूची अनुभव सत्यापन प्रतिशत एंट्री और चयन के अंतिम बिंदुओं पर इनकी भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। हालांकि घटती-घटना इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता, लेकिन इन्हें कई स्रोतों ने गंभीर मुद्दों के रूप में दर्ज कराया है।

अब सवाल बड़ा है,क्या पूरी प्रक्रिया एसआईटी या जिला स्तर पर जांच के लिए जाएगी ?

जिलों में अलग-अलग पात्र-अपात्र सूची, उम्मीदवार के अंकों में भारी बदलाव, अनुभव प्रमाणपत्रों में दोहरी प्रविष्टि, और विभागीय प्रभाव के आरोप, ये चारों तथ्य यह दिखाते हैं कि मामला पूरी तरह जांच योग्य है।

घटती-घटना की निष्कर्षात्मक टिप्पणी

इन दस्तावेजों में इतने ठोस विरोधाभास हैं कि यह पूरा मामला जिला स्तरीय जाँच, या राज्य मिशन स्तर की टीम द्वारा जांच के लायक बन चुका है,अनुभव गड़बड़ी दो अलग प्रतिशत,दो पदों पर अलग अनुभव,नियमों की दोहरी व्याख्या, चुनावित उम्मीदवारों को कथित लाभ ये सभी आरोप गंभीर श्रेणी में आते हैं।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने थाना-चौकी सहित छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के बार्डर नवाटोला का किया औचक निरीक्षण,पाए गए खामियों को जल्द दुरूस्त करने दी कड़ी हिदायत

-संवाददाता-

सूरजपुर,19 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर मंगलवार,18 नवम्बर 2025 को थाना चांदनी, चौकी मोहरसोप और छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के बार्डर पर स्थित अंतर्राज्जीय बार्डर नवाटोला का अचानक औचक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना प्रभारी प्रदीप सिदार से क्षेत्र के निगरानी,गुण्डा बदमाशों की डिटेल जानकारी लेते हुए किए गए चेकिंग के दर्ज ब्यौरे को देखा। थाना के मुलाहिजा, फैना एवं ड्यूटी रजिस्टर का अवलोकन किया एवं पाए गए खामियों को जल्द दुरूस्त करने कड़ी चेतावनी दी। छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश पर स्थित अंतर्राज्जीय बार्डर नवाटोला का जायजा लिया और तैनात अधिकारी व जवानों को सजगता से ड्यूटी करने और अवैध धान सहित किसी प्रकार की अवैध वस्तु की तस्करी पर पूर्णतः अंकुश लगाने तथा शीत लहर से बचाव को लेकर हिदायत दी। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने थाना चांदनी व चौकी मोहरसोप के औचक निरीक्षण में प्रभारियों व विवेचकों को कहा कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धजन एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनकी शिकायतों पर तत्काल विधि संगत कार्रवाई करते हुए उन्हें राहत दिलाए, शिकायत लेकर आने वाले ग्रामीणों के समस्या को बड़े आत्मीयता से सुने और त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थाना चौकी के औचक निरीक्षण के दौरान जवानों के समस्याओं को जाना और निराकरण का आश्वासन दिया।

जल संचय में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला हुआ सम्मानित

25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि की गई प्रदान

-संवाददाता-

बलरामपुर,19 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचय जनभागीदारी पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू व मंत्री जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार श्री सी. आर. पाटिल के करकमलों से जल शक्ति जन भागीदारी अभियान 1.0 के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। उक्त पुरस्कार कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा ग्रहण किया गया। जल शक्ति जन भागीदारी अभियान 1.0 जल संचय संरचना निर्माण तथा उनका डाटा बेस तैयार करने हेतु एक सफल अभियान है, जिसके अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले ने पूर्वी क्षेत्र की श्रेणी-3 में 6वां रैंक हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि जिले में जल संरचनाओं का निर्माण के लिए यह उपलब्धि मिली है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में सफलता प्राप्त की गई है।

पीएम किसान योजनांतर्गत 21 वी क़िस्त से लाभान्वित हुए किसान

-संवाददाता-

सूरजपुर,19 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र अजिरमा अम्बिकापुर में सांसद श्री चिंतामणी महाराज के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के कृषको को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वी क़िस्त की राशि हस्तांतरित की गई। जिसमें जिले के पी एम किसान पंजीकृत पात्र 100215 कृषको को 20.04 करोड़ रुपये। सीधे कृषको के बैंक खाते में अंतरण किया गया। जिससे जिले के कृषको में खुशीओ से चेहरे में चमक आ गई है सुश्री संपदा पैकरा उपसंचालक कृषि सूरजपुर की मार्गदर्शन में जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र अजिरमा अम्बिकापुर में आयोजित किया गया जिसमें जिले के 105 कृषक शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाकर श्री नरेंद्र मोदी के परिचर्चा आनन्द लिये साथ ही विकासखण्ड स्तर एव ग्राम स्तर में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के लगभग 1000 कृषको द्वारा कार्यक्रम का आनन्द लिये। इस कार्यक्रम में संदीप शर्मा कार्यक्रम समन्वयक के वी के अजिरमा, श्री संदीप सिन्हा सहायक संचालक कृषि ,धीरेंद्र कुशवाहा कृषि विकास अधिकारी अभिषेक सिंह ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रजनी पैकरा मोनू ठाकुर एव कृषको का विशेष सहयोग रहा।

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर 7 नक्सली ढेर...

एक दिन पहले मारा गया था कुख्यात हिडमा,डोंगरगढ़ में जवान शहीद

जगदलपुर,19 नवम्बर 2025। आंध्र प्रदेश के मारेडुमिल्ली क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बुधवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सात नक्सली मारे गए, जिनमें तीन महिला माओवादी भी शामिल हैं। इससे एक दिन पहले इसी इलाके में छह नक्सली ढेर किए गए थे,जिनमें शीर्ष माओवादी कमांडर मादवी हिडमा भी शामिल था। एडीजी (इंटेलिजेंस) महेश चंद्र लड्डा ने बताया कि अभियान लगातार जारी है और बुधवार सुबह तक सात नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। यह मुठभेड़ मंगलवार को हुए पहले एनकाउंटर स्थल से करीब सात किलोमीटर दूर हुई।

सुबह 7 बजे शुरू हुई मुठभेड़

अधिकारियों के अनुसार, सुबह लगभग 7 बजे सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में छिपे नक्सलियों को घेरते हुए कार्रवाई शुरू की। मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया है। मारे गए नक्सलियों में एक की पहचान मेटुरी जोखा राव उर्फ टेक शंकर के रूप में हुई है।

हथियार निर्माण में विशेषज्ञ था जोखा राव : जोखा राव नक्सली संगठन की केंद्रीय समिति से जुड़ा था और आंध्र-ओडिशा सीमा क्षेत्र में सक्रिय रहता था। वह नक्सली अभियानों का विशेषज्ञ माना जाता था। अधिकारियों के अनुसार, शंकर हथियार बनाने, तकनीकी नेटवर्क तैयार करने और संचार प्रणाली संचालित करने में माहिर था।

दो दशकों से नक्सल गतिविधियों में सक्रिय : श्रीकाकुलम निवासी जोखा राव लगभग 20 वर्षों से नक्सल गतिविधियों में शामिल था। सुरक्षा बलों की बढ़ती कार्रवाई के चलते उसका मूवमेंट सीमित हो गया था, लेकिन हाल ही में वह दक्षिण भारत में संगठन को पुनर्जीवित करने की कोशिशों में फिर से सक्रिय हुआ था। मंगलवार को मारे गए छह नक्सलियों में पीएलजी बटालियन-1 के प्रमुख मादवी हिडमा भी शामिल था। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे नक्सल आंदोलन के खिलाफ निर्णायक प्रहार बताया था। हिडमा बीते दो दशकों में हुए कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है।

क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी

अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अन्य नक्सली समूहों की मौजूदगी की आशंका है। इसी को ध्यान में रखते हुए मारेडुमिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान और तेज किया जा रहा है, ताकि संगठन की किसी भी संभावित पुनर्गठन कोशिश को रोका जा सके।

खड़ी ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो, छत्तीसगढ़ी फिल्म देखकर लौट रहे 6 लोगों की मौत..

कोंडागांव,19 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में 18 नवंबर की रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के मसोरा टोल प्लाजा के पास हुआ, जहाँ एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। बताया गया है कि सभी मृतक और घायल डोंगर गांव के रहने वाले थे और छत्तीसगढ़ी फिल्म 'माटी' देखकर अपने घर वापस लौट रहे थे।

दो परिवारों में मातम,पिता-पुत्र भी शामिल...

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना इतनी भयानक थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो परिवारों के लोग शामिल हैं,जिनमें एक पिता-पुत्र की जोड़ी भी है। घायलों में से 3 लोगों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जगदलपुर रेफर कर दिया गया है। राहगीरों ने बताया कि दुर्घटनास्थल का दृश्य दिल दहला देने वाला था; सड़क खून से लाल हो चुकी थी और स्कॉर्पियो के पार्ट्स बॉडी में घुसे हुए थे। घायलों को हाथ, पैर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं हादसे के बाद मसोरा टोल प्लाजा प्रबंधन ने कहा कि खराब ट्रक को हटाने के लिए क्रेन नहीं मिल रहा था, जिससे ट्रक को हटाया नहीं गया। उनके पास भी क्रेन नहीं है। अगर क्रेन मिल जाता तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। टोल प्लाजा प्रबंधन ने लापरवाही स्वीकार की है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही कोंडागांव पुलिस मौके पर पहुंची। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। घायलों का इलाज जारी है। हादसे को लेकर जांच की जा रही है।

मां ने नक्सली बेटे मांडवी हिडमा को अग्नि देने की इच्छा जताई

जगदलपुर,19 नवम्बर 2025। बस्तर के कुख्यात नक्सली कमांडर मांडवी हिडमा की मौत के बाद उसके गांव पुवर्ती में मातम पसरा हुआ है. गांव की गलियों में सन्नाटा है. बेटे की मौत के शोक में डूबी उसकी मां ने पुलिस से भावुक अपील करते हुए कहा है कि मैं बूढ़ी हो चुकी हूं... बेटे का शव नहीं ला सकती. पुलिस मेरे बेटे का शव गांव ले आए, ताकि मैं अंतिम संस्कार कर सकूं. बता दें कि छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा, बस्तर आईजी सुंदरराज पी और सुकमा एसपी 10 नवंबर को हिडमा के गांव पूवर्ती गए थे. वहां उन्होंने हिडमा की मां से मुलाकात कर बेटे को सरेंडर करवाने की अपील की थी. लेकिन ठीक सात दिन बाद, यानी 18 नवंबर, आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच बड़े एनकाउंटर की खबर सामने आई. इस मुठभेड़ में हिडमा, उसकी पत्नी राजे और चार अन्य माओवादी मारे जाने की पुष्टि हुई. हिडमा की मौत के बाद उसकी मां के आँखों में मातम, आंसू और खामोशी है.

दुर्ग पुलिस के जवान ने किया रेप, पीड़िता के बेटे को जेल से छुड़वाने का झांसा देकर दरिंदगी

दुर्ग, 19 नवम्बर 2025। जिले में एक महिला ने आरक्षक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर थाने के सामने भीड़ जुटी है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने महिला का बयान दर्ज किया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पूरा मामला पुरानी भिलाई थाना का है। यहां पदस्थ आरक्षक अरविंद मेढ़े पर महिला ने शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने कहा, मेरा बेटा जेल में बंद है, जिसे छुड़ाने के नाम पर आरक्षक ने मेरे साथ शारीरिक शोषण किया है। जानकारी के मुताबिक, नाबालिग बेटे को कार्रवाई से बचाने आरक्षक ने संबंध बनाने की डिमांड की थी। कल शाम महिला को सिरसा गेट के पास बुलाया, फिर अपनी गाड़ी में बैठकर ले गया और शारीरिक शोषण किया। छत्तीसगढ़ के बजरंग दल के साथ आज सुबह महिला पुरानी भिलाई थाना पहुंचकर मामले की शिकायत की। बताया जा रहा कि एक माह पहले ही आरक्षक की शादी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जेल से कवासी लखमा मेकाहारा हॉस्पिटल शिफ्ट, इलाज शुरू

रायपुर, 19 नवम्बर 2025। शराब घोटाला केस में आरोपी पूर्व मंत्री कवासी लखमा को बुधवार आंखों के ईलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लखमा जनवरी से जेल में बंद हैं। उनकी जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 10 दिसंबर को सुनवाई होगी। इसी बीच लखमा को आंखों की तकलीफ़ के कारण अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने दो दिन पूर्व डीजीपी से मिलकर कवासी लखमा के इलाज के लिए पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की थी इसके बाद पुलिस बल उपलब्ध हो पाया और इलाज हेतु वरिष्ठ आदिवासी विधायक कवासी लखमा भर्ती हो पाए।

रायपुर में करणी सेना के अध्यक्ष शेखावत ने दी गिरफ्तारी

तोमर के जुलूस निकालने पर दी थी धमकी

रायपुर, 19 नवम्बर 2025। रायपुर में क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.राज शेखावत ने मौदहापारा थाने में अपनी गिरफ्तारी दी है। थाने के बाहर समर्थकों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान थाने के बाहर 1एएसपी, 2 सीएसपी और 5 थानों के टीआई समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। इसके एक दिन पहले राज शेखावत ने फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा था कि वे 'आमंत्रण यात्रा' की शुरुआत करेंगे, जो पीड़ित परिवार की अध्यक्षता में निकाली जाएगी। साथ ही शाम 4 बजे मौदहापारा थाने में गिरफ्तारी देने की घोषणा भी की थी। राज शेखावत ने वीरेंद्र तोमर के जुलूस के मामले में पुलिसकर्मियों के घरों में घुसने की धमकी दी थी, जिसके बाद मौदहापुरा थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। यह एफआईआर पुरानी बस्ती के पूर्व थाना प्रभारी योगेश कश्यप ने दर्ज कराई थी। वीरेंद्र तोमर फिलहाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल में हैं।

इंस्पेक्टर योगेश कश्यप ने की थी शिकायत

शिकायत में इंस्पेक्टर योगेश कश्यप ने आपराधिक धमकी, लोक सेवक को धमकाने और सम्मान को ठेस पहुंचाने का जिक्र किया। इसके बाद मौदहापारा पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में 15 नवंबर को एफआईआर दर्ज की थी। वहीं इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा था कि अपराधी कोई भी हो नहीं छोड़ा जाएगा।

वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 19 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष रूप साय सलाम और उपाध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नए दायित्वों के लिए अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में सलाम को एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है,जिसे वे अपनी संवेदनशीलता,अनुभव और दक्षता के साथ उत्कृष्ट रूप से निभाएंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि सलाम स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और समुदाय की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को भली-भांति समझते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रदेश में निवासरत जनजातीय समाज के उत्थान को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। साथ ही केंद्र में अलग जनजातीय मंत्रालय की स्थापना से समुदाय के विकास को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी भावना और संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' तथा 'पीएम जनमन योजना' लागू की, जिनके माध्यम से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। वनोपजों के वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वनवासी समुदाय की आय में वृद्धि हो और उन्हें वास्तविक आर्थिक मजबूती प्राप्त हो। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णु देव साय स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और वनवासी भाई-बहनों की पीड़ा, कठिनाइयों और आकांक्षाओं को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की 32% आबादी जनजातीय है तथा 44% क्षेत्र वनाच्छादित है, इसलिए वनोपज ही वनवासियों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता को 'हरा सोना' कहा जाता है और उसके अनुरूप मूल्य देने का कार्य मुख्यमंत्री साय ने किया है। तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा मूल्य 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने न केवल चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया है, बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रभावी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, नान के चेयरमैन संजय श्रीवास्तव,योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज, वनबल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव सहित लघु वनोपज संघ के सदस्य तथा प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे वनोपज संग्राहक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में आईएसआईएस कनेक्शन का खुलासा...

एटीएस ने दो नाबालिगों को किया गिरफ्तार

रायपुर,19 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी में आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। एटीएस ने रायपुर और दुर्ग से दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है, जो कथित रूप से आईएसआईएस की कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित पाए गए। दोनों के मोबाइल फोन से कई डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनमें आपत्तिजनक सामग्री और संदिग्ध चैट शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि आईएसआईएस से जुड़े विदेशी हैंडल ने इन नाबालिगों को व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ने की जिम्मेदारी दी थी। शुरुआती जांच के अनुसार,दोनों नाबालिग प्रदेश के 100 से अधिक लोगों को इस ग्रुप से जोड़ चुके थे। एटीएस अब ग्रुप में शामिल अन्य लोगों को पूछताछ के लिए तलब करने की तैयारी कर रही है।

डिजिटल फॉरेंसिक जांच जारी : मोबाइल और लैपटॉप से कई संवेदनशील तस्वीरें व दस्तावेज मिले हैं। एटीएस ने दोनों नाबालिगों के खिलाफ UAPA के तहत मामला दर्ज किया है। जब्त सामग्री की गहन डिजिटल जांच जारी है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि इनका संपर्क किन-किन माध्यमों से स्थापित हुआ था।

धार्मिक शिक्षा के नाम पर ब्रेनवॉश : एटीएस के अनुसार, आईएसआईएस से जुड़े ऑनलाइन नेटवर्क ने धार्मिक शिक्षा देने के नाम पर दोनों किशोरों का ब्रेनवॉश किया था। सोशल मीडिया पर छद्म पहचान से सक्रिय कई अकाउंट की जांच के दौरान इनके आईपी एड्रेस का पता लगाया गया। उसी आधार पर दोनों को हिरासत में लिया गया।

जांच में यह भी सामने आया है कि नाबालिगों को पाकिस्तान से भेजी गई आपत्तिजनक सामग्री मिल रही थी। संगठन उन्हें फिदायीन हमलों के लिए तैयार करने का प्रयास कर रहा था। मोबाइल और लैपटॉप में मिली फाइलों में आतंकियों से जुड़े दस्तावेज,धार्मिक उन्माद फैलाने के निर्देश और संवेदनशील स्थानों के नक्शे शामिल हैं।

संवेदनशील स्थानों के नक्शे बरामद : एटीएस ने दोनों किशोरों के कब्जे से कई महत्वपूर्ण स्थलों के नक्शे जब्त किए हैं। यह जानकारी उनके लैपटॉप में सुरक्षित थी, जिसे संगठन ने नेटवर्क विस्तार के लिए उपयोग करने की योजना बनाई थी।

पुलिस कांस्टेबल की फांसी पर लटकी मिली लाश,सुसाइड नोट बरामद

रायपुर,19 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से बड़ी खबर निकलकर सामने आई है। यहां अमलीडीह पुलिस कॉलोनी में बुधवार सुबह पुलिस कांस्टेबल की फांसी पर लटकी हुई लाश मिली। लाश मिलने से लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पूरा मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान कांस्टेबल लक्ष्मीप्रसाद गबेल के रूप में हुई है। पुलिस कॉलोनी अमलीडीह के सामने खाली प्लॉट में कांस्टेबल लक्ष्मीप्रसाद गबेल का शव गमछानुमा फांसी से लटका हुआ मिला है। लाश को देख लोगों में सनसनी फैल गई और इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को सुरक्षित नीचे उतारा गया, साथ ही सुसाइड नोट भी बरामद किया गया, जिसमें उन्होंने सुसाइड के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है। बताया जा रहा है कि मृतक कांस्टेबल लक्ष्मीप्रसाद गबेल शराब पीने का आदी था। वह पिछले 17 महीनों से पुलिस लाइन से गैर हाजिर चल रहा था। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए रवाना कर दिया गया है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। वहीं मृतक के इस कदम से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन 20 दिसंबर तक

रायपुर,19 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अदम्य साहस, शौर्य, वीरता और बुद्धिमत्ता का परिचय देने वाले बच्चों को सम्मानित करने हेतु प्रतिष्ठित 'राज्य वीरता पुरस्कार' के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार उन बालक-बालिकाओं को समर्पित है, जिन्होंने किसी विशेष घटना में निःस्वार्थ भाव से किसी जीवन को बचाने या गंभीर क्षति से संरक्षित करने का साहसिक कार्य किया हो। पुरस्कार के लिए पात्रता में आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम होना अनिवार्य है तथा घटना की अवधि 1 जनवरी 2025 से 15 दिसंबर 2025 के बीच की होनी चाहिए। चयनित बच्चों को 25,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि, मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

पूर्व नक्सल नेता भूपति ने जारी किया वीडियो संदेश... जंगलों में छुपे पूर्व साथियों से हथियार छोड़ने की अपील

रायपुर, 19 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के जंगलों में लंबे समय तक नक्सल आंदोलन के वरिष्ठ नेता रहे मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति (69) ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने विचार साझा किए हैं। 5 मिनट के वीडियो संदेश में भूपति ने जंगलों में छुपे अपने साथियों से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की जोरदार अपील की। भूपति ने वीडियो में कहा कि असफल सशस्त्र संघर्ष के कारण नक्सली जनता से अलग-थलग पड़ गए हैं और उनका पतन शुरू हो चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय बदल गया है और साथियों को शांति से जनता की सेवा में लौटना चाहिए। भूपति ने 15 अक्टूबर को गढ़चिरौली में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने 60 नक्सलियों के साथ आत्मसमर्पण किया था। यह उस घटना के बाद उनका पहला सार्वजनिक संदेश है। वीडियो में उन्होंने अपने पूर्व साथियों से कहा कि वे मोबाइल नंबरों के माध्यम से उनसे या अन्य वरिष्ठ आत्मसमर्पित नक्सल नेता सतीश से संपर्क कर सकते हैं ताकि वे आंदोलन छोड़ने और मुख्यधारा में लौटने में मदद कर सकें। भूपति ने कहा 'हमारा मुख्यधारा में लौटना बदलते परिदृश्य का प्रतीक है। इस सशस्त्र संघर्ष में हमने कई साथियों को खो दिया और अब हमें शांति और समाज की भलाई के लिए लौटना चाहिए।' भूपति ने अपने साथियों से कहा 'अब हथियार डालकर शांतिपूर्ण समाज में काम करना ही विकल्प है।' उन्होंने बताया कि 16 सितंबर को पहली बार उन्होंने हथियार छोड़ने की बात कही थी और इसके बाद गढ़चिरौली, माध (अबूझमाड़ संभाग) और पूर्वी बस्तर में कई साथियों ने भी इसी तरह का संदेश दिया।

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला: शिक्षा विभाग के अधीन होंगे अब सभी प्ले स्कूल,संचालकों को रजिस्ट्रेशन के लिए तीन महीने का समय

रायपुर,19 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में संचालित सभी प्ले स्कूलों के संचालकों को लेकर दिशा निर्देश जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि 3 महीने के भीतर सभी प्ले स्कूल का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। साथ ही रजिस्ट्रेशन में सभी को प्ले स्कूल लिखवाना अनिवार्य होगा। वहीं प्ले स्कूल में 3 साल से कम बच्चों को एडमिशन नहीं दिया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर अटल नगर द्वारा जारी पत्र में स्कूल शिक्षा विभाग ने गाइडलाइंस जारी किया है । जिसमें कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में संचालित सभी प्ले स्कूल अब स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन होंगे। छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित Play School के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्ले स्कूलों को अब संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी से पंजीयन करवाना होगा। इसके आवेदन के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। गुजरात और मध्य प्रदेश के बाद छत्तीसगढ़ तीसरा राज्य होगा, जहां प्ले स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन होंगे। बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ वातावरण देने के उद्देश्य से यह नियम लागू किया गया है। प्रदेशभर के प्ले स्कूल अब जल्द ही कायदे-कानून से बंधे होंगे। इन्हें स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत लाने की तैयारी कर ली गई है।

इसके पहले प्ले स्कूल एक्ट के लिए विशेष कमेटी बनाई गई थी, जो इससे संबंधित नियम तैयार कर ली है। यह अभी शुरुआती चरण में ही है, इसलिए इसे अंतिम रूप देने में कुछ? दिनों का समय संभावित है। पूरे देश में केवल दो ही राज्य ऐसे हैं, जहां प्ले स्कूल के लिए स्पेशल एक्ट बने हुए हैं। इनमें गुजरात और मध्यप्रदेश शामिल हैं। प्ले स्कूल के लिए नियम बना रही कमेटी इन राज्यों के नियमों का भी अध्ययन कर रही है ताकि वहां के गुण-लाभ के आधार पर छत्तीसगढ़ के लिए बेहतर कानून बनाए जा सकें। बता दें कि प्ले स्कूल के अधीन नर्सरी कक्षा के पूर्व संचालित होने वाली कक्षाएं आती हैं। जहां छोटे बच्चों को खेल-खेल में अक्षर ज्ञान दिया जाता है। वर्तमान में प्ले स्कूल के संचालन के लिए कोई नियम नहीं है और ना ही किसी विभाग से मान्यता की ही आवश्यकता पड़ती है। एक्ट लागू होने के बाद प्ले स्कूलों के संचालन के लिए भी विधिवत मान्यता लेनी होगी और संचालन संबंधित शर्तों को पूर्ण करना होगा। एक्ट लागू होने के साथ ही छत्तीसगढ़ देश का तीसरा राज्य बन जाएगा, जहां प्ले स्कूल के लिए शासन के अधीन आएंगे।

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

150th JANJATIYA GAURAV VARSH

जनजातीय गौरव दिवस 2025

एवं

जनजातीय गांवों में धार्मिक एवं मांगलिक आयोजनों हेतु

मुख्यमंत्री जनजातीय ग्राम अखरा विकास योजना

का शुभारंभ

20 नवंबर 2025

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

अध्यक्षता

श्री रमेन डेका
माननीय राज्यपाल, छत्तीसगढ़ शासन

पी.जी. कॉलेज मैदान,
अंबिकापुर (छ.ग.)
सुबह 10 बजे से

विशिष्ट अतिथि

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

श्री तोखन साहू
माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री
आवास एवं शहरी मंत्रालय, भारत सरकार

श्री रामविचार नेताम
माननीय मंत्री, आदिम जाति विकास,कृषि विकास एवं
किसान कल्याण विभाग, छ.ग. शासन

श्री जुएल ओराम
माननीय केन्द्रीय मंत्री
जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

श्री अरुण साव
माननीय उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

श्री ओम प्रकाश चौधरी
माननीय प्रभारी मंत्री जिला सरगुजा,
वित्त एवं वाणिज्यिक कर विभाग, छ.ग. शासन

श्री चिंतामणि महाराज
माननीय सांसद, लोकसभा सरगुजा

श्री दुर्गा दास उइके
माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री
जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

श्री विजय शर्मा
माननीय उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

श्री राजेश अग्रवाल
माननीय मंत्री, पर्यटन, संस्कृति एवं
धर्मस्व विभाग, छ.ग. शासन

एवं

समस्त माननीय मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, महापौर एवं समस्त जनजातीय समाज प्रमुख की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

आप सादर आमंत्रित हैं

संवाद 45960/41

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)